साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 23 मार्च से 29 मार्च 2026
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 04 में...
खल्लारी मंदिर में रोपवे टूटा, 2 ट्रॉली खाई में गिरी

पेज 07 में...
ऑरेंज कैप जीतने में विराट वॉर्नर और गेल सबसे आगे

वर्ष : 02 अंक : 03 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com
पेज 10 चार दिन में धुरंधर 2 ने कमाए 400 करोड़

जान 20 लाख में तो मौत 25 लाख में...

राजधानी के अस्पताल हाईटेक, व्यवस्था डंडा टेक

समय-समय पर गाइडलाईन के मुताबिक अस्पतालों को व्यवस्था के लिए निर्देशित किया जाता रहा है। रामकृष्ण अस्पताल में घटित हादसा दुखद है। इसमें भी दोषियों के खिलाफ जांच के बाद कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। भविष्य के लिए विभाग को ताकीद की गई है कि घटना की ऐसी पुनरावृत्ति न हो।

इलाज के नाम पर बट्टा और इंतेजाम के पर धब्बा

मरीजों की जिंदगी बचाने से लेकर मौत तक का सौदा

रायपुर के नामी अस्पतालों में सुरक्षा मानकों से समझौता

मुआवजे की जल्दबाजी, दोषी अस्पताल प्रबंधन की अनदेखी

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

'जब CAG और नीति आयोग जैसी संस्थाएं बार-बार बुनियादी ढांचे में छेद दिखा रही हैं, तब रायपुर के 'हाईटेक' अस्पतालों का यह दावा कि 'सब चंगा है', किसी मजाक से कम नहीं लगता। कागजों पर दौड़ता स्वास्थ्य विभाग हकीकत में उन मजदूरों और मरीजों की सुरक्षा करने में नाकाम है, जिनकी सांसें इन अस्पतालों की 'अस्वस्थ्य व्यवस्था' की भेंट चढ़ गई।' लापरवाही और इलाज व्यव्हार में डॉक्टरों की बदसलूकी झेलने वाले मरीजों-परिजनों के लिए नहीं लेकिन डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कानून का बेहतरीन इंतजाम शासन की दोहरी नीति उजागर करती करती है।

शहर सत्ता/रायपुर। देश में बेहतर ईलाज और हाईटेक मशीनों से बड़े-बड़े सफल ऑपरेशन का डंका बजाने वाले रायपुर के सरकारी और निजी अस्पतालों का 'स्वस्थ्य' सिस्टम पूरी तरह 'अस्वस्थ्य' है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि पिछले कुछ सालों में अस्पतालों के गलियारों से निकली चीखें और अपनों को खोने वाले परिजनों का आक्रोश यह गवाही दे रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो रायपुर के नामी अस्पतालों में कभी आगजनी, कभी ऑक्सीजन की कमी, तो कभी सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी के चलते कई मासूम जिंदगियां काल के गाल में समा गई हैं।

उर्मिला अस्पताल में मौत की कीमत 23 लाख

रायपुर के भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान राम चरण वर्मा की मौत हो गई, जबकि मरीज खुद अस्पताल में अकेले आकर भर्ती हुआ था बाद में अचानक मरीज की तबियत बिगड़ी जसके बाद मरीज के परिजनों से पहले 18 लाख ऑपरेशन के लिए जमा कराए बाद में 5 लाख और इसके बाद मरीज की मौत हो गई। मरीज की मौत के बाद भारी हंगामा शुरू हो गया। परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही, गलत ऑपरेशन और अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगाए। मृतक के बेटे के अनुसार, आयुष्मान कार्ड के बावजूद 15 लाख से अधिक का बिल बनाया गया और लाखों रुपये नकद वसूले गए। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना और बजरंग दल के समर्थन के साथ परिजन अस्पताल सील करने की मांग पर अड़े हैं। प्रबंधन द्वारा क्षतिपूर्ति से इनकार के बाद आक्रोशित परिजनों ने न्याय मिलने तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया है।

बड़े अस्पतालों के 'दागदार' रिकॉर्ड: कुछ प्रमुख हादसे

रामकृष्ण केयर (17 मार्च 2026)

हाईटेक सुविधाओं का दावा करने वाले इस अस्पताल में सुरक्षा मानकों की धज्जियां तब उड़ीं, जब सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से 3 मजदूरों की मौत हो गई। बिना सेफ्टी गियर के मजदूरों को टैंक में उतारना अस्पताल की लापरवाही का सबसे ताजा और क्रूर उदाहरण है।

राजधानी अस्पताल अग्निकांड

पचपेड़ी नाका स्थित इस अस्पताल के I C U में लगी भीषण आग आज भी शहरवासियों के जेहन में ताजा है। इस हादसे में 5 से अधिक मरीजों की जलकर मौत हो गई थी। फायर एनओसी और सुरक्षा ऑडिट की खानापूर्ति ने कई परिवारों को ताउम्र का दर्द दे दिया।

- **एम्स रायपुर (फरवरी 2026):** सुरक्षा में सेंध का आलम यह है कि तीसरी मंजिल से गिरकर एक मरीज की जान चली गई। हाई-प्रोफाइल संस्थान होने के बावजूद मरीजों की मानसिक स्थिति और भौतिक सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़े हुए हैं।
- **मेकाहारा (डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल):** प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में अक्सर जूनियर डॉक्टरों और परिजनों के बीच विवाद की स्थिति बनती है। संसाधनों की कमी और समय पर इलाज न मिलना यहाँ के 'अस्वस्थ्य' सिस्टम की पहचान बन चुका है।
- **श्री नारायणा एवं अन्य निजी संस्थान:** बिलिंग विवाद और इलाज के दौरान अचानक होने वाली संदिग्ध मौतों ने इन संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उपभोक्ता फोरम द्वारा हाल ही में एक अस्पताल पर लगा ₹16 लाख का जुर्माना यह साबित करता है कि इलाज के नाम पर आंकड़ों की बाजीगरी की जा रही है।

केंद्र की रिपोर्टों में खुलती सिस्टम की पोल

CAG की रिपोर्ट में खुलासा अस्पतालों में बुनियादी चूक'

CAG की हालिया 'परफॉर्मेंस ऑडिट' रिपोर्ट (2024-25) जो सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे पर आधारित है, कई चौंकाने वाले तथ्य उजागर करती है:-

* **स्टाफ की भारी कमी:** देश के जिला और टरशरी अस्पतालों में विशेषज्ञों (Specialists) की 25% से 40% तक कमी पाई गई है। रायपुर के मेकाहारा जैसे अस्पतालों में होने वाले हंगामे का मूल कारण यही "मैनपावर क्राइसिस" है।

* **सुरक्षा और उपकरण:** CAG ने पाया कि कई राज्यों में 30% से अधिक जीवन रक्षक उपकरण (Life Saving Equipment) या तो खराब हैं या उनका नियमित मेंटेनेंस नहीं हो रहा है।

* **दवाइयों की अनुपलब्धता:** रिपोर्ट के अनुसार, आवश्यक दवाओं की सूची (EDL) में शामिल 40% दवाएं कई बार सरकारी स्टॉक से नदारद रहती हैं, जिससे मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर पर निर्भर होना पड़ता है।

नीति आयोग (NITI Aayog) की 'डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल इंडेक्स' रिपोर्ट

नीति आयोग ने देशभर के 700 से अधिक जिला अस्पतालों की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि:

* **बेड रेशियो की समस्या:** देखा यह गया है कि जनसंख्या के हिसाब से सरकारी अस्पताल मानकों के अनुसार प्रति 1 लाख जनसंख्या पर कम से कम 22 बेड होने चाहिए, लेकिन छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में यह औसत नीचे है।

* **क्वालिटी केयर:** रिपोर्ट के अनुसार, केवल 20% सरकारी अस्पताल ही 'नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स' (NQAS) के मापदंडों को पूरा कर पा रहे हैं। इस मामले को छत्तीसगढ़ में इस बार हुए बजट सत्र में भी उठाया गया था जिसमें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सदन में जवाब देते हुए नेशनल क्वालिटी के अनुसार बताया था।

NABH (नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स) का डेटा

क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI) के तहत काम करने वाली इस एजेंसी के आंकड़े बताते हैं:

* **निजी अस्पतालों में मानक:** देशभर के हजारों निजी अस्पतालों में से केवल एक छोटा हिस्सा ही NABH मान्यता प्राप्त है। रायपुर जैसे शहरों में गली-मोहल्लों में खुले छोटे नर्सिंग होम बिना किसी कड़े सुरक्षा ऑडिट (जैसे फायर सेफ्टी और बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट) के चल रहे हैं।

* **नॉन-कंप्लायंस:** NABH की जांच में पाया गया कि कई निजी अस्पताल लाइसेंस मिलने के बाद सुरक्षा मानकों (Safety Protocols) को दरकिनार कर देते हैं, जिसके कारण आगजनी जैसे हादसे होते हैं।

सरकारी कार्रवाई का 'दस्तावेजी' सच

खबर में आप यह बिंदु भी जोड़ सकते हैं कि 'क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट' के तहत अस्पतालों के लिए कड़े नियम तो बनाए गए हैं, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार इनका क्रियान्वयन (Implementation) ढीला है:

* **जांच समितियों का हश्र:** रायपुर के 'राजधानी अस्पताल कांड' या 'रामकृष्ण केयर हादसे' के बाद जो समितियां बनाई गईं, उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक होने में महीनों लग जाते हैं और तब तक जन-आक्रोश शांत हो चुका होता है।

* **जुर्माना बनाम न्याय:** उपभोक्ता फोरम (Consumer Forum) के आदेशों के अनुसार, अस्पतालों पर लाखों का जुर्माना तो लगाया जाता है, लेकिन "सिस्टम में सुधार" के लिए कोई 'रैपिड एक्शन फोर्स' या 'सेंट्रल मॉनिटरिंग' की कमी अभी भी खल रही है।

अव्यवस्था के कारक

1. सुरक्षा ऑडिट की अनदेखी: अधिकांश निजी अस्पतालों में फायर फाइटिंग सिस्टम और इमरजेंसी एग्जिट केवल कागजों पर या शो-पीस बनकर रह गए हैं।

2. संसाधनों का अभाव: सरकारी अस्पतालों में मशीनों की खराबी और बेड की कमी के कारण गरीब मरीजों को निजी अस्पतालों की चौखट पर 'लुटने' के लिए मजबूर होना पड़ता है।

3. जवाबदेही का शून्य होना: हादसों के बाद भारी हंगामा होता है, कुछ दिन जांच चलती है और फिर मुआवजे के नाम पर फाइलों को रफा-दफा कर दिया जाता है।

क्यों फेल हो रहा है सिस्टम?

संसाधनों पर दबाव: रायपुर पर पूरे छत्तीसगढ़ सहित ओडिशा और मध्य प्रदेश के मरीजों का भार है। मेकाहारा जैसे अस्पतालों में बेड ऑक्यूपेंसी (Bed Occupancy) हमेशा 110% रहती है।

मुनाफे की होड़: निजी अस्पतालों में 'टारगेट बेस्ड' इलाज और हाई-प्रोफाइल मशीनों के प्रदर्शन के बीच मरीज की 'बेसिक सुरक्षा' को दरकिनार कर दिया जाता है।

जवाबदेही का अभाव: हादसों के बाद जांच कमेटियां बैठती हैं, लेकिन किसी बड़े अधिकारी या रसूखदार अस्पताल प्रबंधन पर 'कठोर और स्थायी' कार्रवाई के उदाहरण कम ही मिलते हैं।

निगम आयुक्त और अस्पताल प्रबंधन पर कार्रवाई हो-कांग्रेस

सफाईकर्मियों की मौत पर सवाल उठने लगा है। कांग्रेस ऑपर पीड़ित परिवार के मुताबिक मुआवजा मिला पर गाइडलाइन के बावजूद जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई है?ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र सरकार पहले ही स्पष्ट गाइडलाइन जारी कर चुकी है। इसके बावजूद नियमों का पालन नहीं किया गया। गाइडलाइन के अनुसार सेप्टिक टैंक की सफाई मशीनों से कराई जानी चाहिए। यदि कहीं लापरवाही होती है या हादसा होता है, तो उसके लिए ठेकेदार, प्रबंधन और नगर निगम के अधिकारी भी जिम्मेदार होते हैं। जब नियम स्पष्ट हैं, तो अब तक जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? सरकार नियम बनाती है, लेकिन उन्हें लागू क्यों नहीं करती?

छत्तीसगढ़ में 'अफीम की खेती' पर सोशल मीडिया में तंज

■ साभार : सागर कार्टूनिस्ट

शकुंतला हत्याकांड : प्रॉपर्टी विवाद सुलझाने सुपारी किलिंग

चार लाख में हुआ सौदा, एडवांस लेकर काम नहीं किया,महिला घर पहुंची तो कर दी हत्या

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में साल 2021 में हुए चर्चित शकुंतला देवी हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई है। तीन साल बाद आरोपी अहमदाबाद से पकड़ा गया है। गिरफ्तार आरोपी कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि अहमदाबाद का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अजय कुमार उर्फ लक्ष्मीसागर उर्फ राजनारायण मिश्रा है। गुजरात की अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी को पकड़ा है। शकुंतला देवी ने आरोपी को अपने पारिवारिक संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए 4 लाख की 'सुपारी' दी थी, लेकिन लालच में आकर आरोपी ने महिला की ही हत्या कर दी और 35 तोला सोना लेकर फरार हो गया। अहमदाबाद पुलिस की सूचना पर टिकरापारा पुलिस रवाना हो गई है।

संपत्ति विवाद निपटाने के बहाने घर में घुसा, फिर कर दी हत्या

दरअसल, यह मामला अक्टूबर 2021 का है। पटेल चौक स्थित एक बंद मकान में शकुंतला देवी (पति स्व. अमर यादव) का शव संदिग्ध हालत में मिला था। जांच में पता चला कि शकुंतला का अपने बड़े बेटे अजय यादव के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। विवाद सुलझाने के लिए शकुंतला और उनके बेटे अमित यादव ने अजय कुमार मिश्रा से मदद मांगी थी। आरोपी अजय और शकुंतला का बेटा अमित यादव पहले एक अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में साथ काम करते थे। बड़े भाई से संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए अमित ने आरोपी अजय को सुपारी' दी। दोनों के बीच सौदा 4 लाख में तय हुआ था और 10 हजार एडवांस दिए गए थे। लेकिन आरोपी पैसे लेकर भाग गया, जिसके बाद शकुंतला उसके गांव तक पहुंच गई। बदला लेने और लूट के इरादे से आरोपी अपने साथी केतन उर्फ केटी के साथ रायपुर आया और शकुंतला के घर पर ही रुका। मौका मिलते ही दोनों ने महिला का गला घोंट दिया।

10 लाख कैश और 35 तोला सोना

अहमदाबाद पुलिस के सामने आरोपी ने कबूल किया कि हत्या के बाद उसने घर से 10 लाख रुपए कैश और करीब 30-35 तोला सोना लूटा था। इस सोने को उसने उत्तर प्रदेश के कौशांबी में एक सराफा कारोबारी को बेच दिया। अपनी पहचान छिपाने के लिए उसने मोबाइल फोन, पैन कार्ड और आधार कार्ड का इस्तेमाल पूरी तरह बंद कर दिया था। वह लगातार ठिकाने बदलता रहा पहले गोवा, फिर अहमदाबाद और फिर मुंबई में छिपा रहा।

कई थानेदार बदले, 3 साल तक दबी रही फाइल

टिकरापारा थाने में दर्ज इस ब्लाइंड मर्डर केस की छानबीन कर रही थी। इस दौरान थाने के कई टीआई (TI) बदल गए, लेकिन पुलिस कातिल तक नहीं पहुंच सकी। डायरी में केवल एक संदेही का जिक्र था। अब गुजरात पुलिस से सूचना मिलने के बाद रायपुर पुलिस ने फाइल फिर से खोली है। अहमदाबाद पुलिस की अपराध शाखा द्वारा गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही रायपुर पुलिस एक्टिव हो गई है।

फाइल फोटो

मां नहलाकर कपड़े लेने गई टंकी में डूबा मिला मासूम

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर के न्यू राजेंद्र नगर थानाक्षेत्र के अमलीडीह इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। घर की टंकी में डूबकर एक साल के मासूम की मौत हो गई। बच्चे का नाम पुलिस द्वारा त्रिराज साहू (1) पिता रोहित साहू बताया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके जांच शुरु कर दी है। न्यू राजेंद्र नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना घटना अमलीडीह के साहू पारा, गली नंबर 1 की है। गली नंबर में रोहित साहू का परिवार रहता है। रोहित साहू की पत्नी दोपहर को अपने एक साल के बेटे त्रिराज को नहला रही थी। बेटे को नहलाने के बाद वो टंकी के पास छोड़कर कपड़े लेने अंदर गई थी। कपड़े लेकर बाथरूम पहुंची तो बेटा पानी की टंकी में पडा मिला। घर में मौजूद त्रिराज के परिजन उसे आनन-फानन में निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मेकाहरा रिफर कर दिया। मेकाहरा पहुंचने के बाद त्रिराज की जांच की गई, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत के बाद त्रिराज के परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मर्ग कायम करके परिजनों से पूछताछ कर रही है।

रायपुर में 1 साल का मासूम पानी में डूबा, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

लड़की की आवाज निकालकर फंसाते थे फर्जी कॉल सेंटर वाले

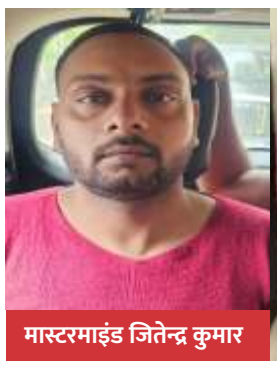
मास्टरमाइंड जितेन्द्र कुमार

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की मुजगहन पुलिस और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (ACCU) ने अंतरराज्यीय ऑनलाइन ठगी गिरोह के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। नोएडा में बैठकर देशव्यापी फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले मास्टरमाइंड जितेन्द्र कुमार उर्फ राजीव को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरोह लड़की की आवाज निकालकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था और करोड़ों की चपत लगा चुका है। आरोपी के तीन साथियों को पुलिस अधिकारियों ने दो दिन पहले पकड़ा था। रायपुर के मुजगहन (कांदुल) निवासी परमजीत सिंह चड्ढा इस गिरोह का शिकार बने। ठगों ने उन्हें फोन कर बताया कि उनके नाम पर 'डीबीटी भारत बैंक' में 98,64,000 की बीमा पॉलिसी मैच्योर हो चुकी है। ठगों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि वे इस रकम के नॉमिनी हैं।

लड़की की आवाज और फर्जी दस्तावेजों से फंसाते थे

ठगी को अंजाम देने के लिए गिरोह के सदस्य अनिरुद्ध चौधरी ने प्रार्थी की बात 'सरला आर्या' नाम की कथित बैंक कर्मी से कराई। दरअसल, यह गिरोह के सदस्यों की चाल थी जो लड़की की आवाज निकालकर या महिला सदस्यों के जरिए बात कर भरोसा जीतते थे।

इस तरह से आरोपियों ने की थी ठगी

आरोपी ने प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पहले 22,600 जमा कराए। इसके बाद कागजी कार्रवाई के नाम पर अलग-अलग किस्तों में 4,21,485 जमा कराए। आरोपी लगातार पैसे मांग रहे थे, पीड़ित को शक हुआ तो आरोपी ने टैक्स और आरबीआई के फर्जी दस्तावेज भेजे और जमा हुए पैसे डूबने की बात कही। पैसे डूबने के डर से पीड़ित ने कई किश्तों में 9 लाख 60 हजार आरोपियों के बताए खाते में जमा कर दिए।

केस रफा-दफा करने रायपुर में EOW अफसर बनकर 9.50 लाख की ठगी

रिटायर्ड इंजीनियर से मांगे थे 10 लाख, परिचित ही निकला मास्टरमाइंड

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में एक रिटायर्ड इंजीनियर से लाखों की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ईओडब्ल्यू अधिकारी बनकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को पुलिस ने दो महीने बाद गिरफ्तार कर लिया है। बतादें कि ठगी की साजिश रचने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि पीड़ित का पुराना परिचित और भरोसेमंद साथी ही निकला।

पुलिस ने पीड़ित का नाम देवलाल सिंह टेकाम और आरोपी का नाम धर्मेंद्र चौहान बताया है। यह मामला राखी थाना क्षेत्र का है। PWD से रिटायर हुए देवलाल सिंह टेकाम को जनवरी में कुछ अनजान नंबरों से कॉल आए। कॉल करने वालों ने खुद को ACB/EOW का अधिकारी बताकर उन्हें डराया कि उनके खिलाफ गंभीर शिकायत हुई है। इससे देवलाल घबरा गए। उन्होंने ये बात अपने पुराने परिचित धर्मेंद्र चौहान को बताई, लेकिन मदद करने के बजाय धर्मेंद्र ने इसी बात का फायदा उठाकर ठगी की साजिश रची। आरोपी धर्मेंद्र चौहान ने देवलाल को झांसा दिया कि वह मामला सुलझा लेगा और पुराने नंबरों को ब्लॉक करवा दिया। इसके बाद उसने अपनी एक महिला मित्र के नाम पर जारी सिम कार्ड से पीड़ित को व्हाट्सएप मैसेज और कॉल किए। उसने फर्जी शिकायत की प्रति भेजकर देवलाल को इतना डराया कि वह समझौता करने को तैयार हो गया। आरोपी ने खुद को अधिकारी बताते हुए कहा कि "धर्मेंद्र चौहान के माध्यम से ही यह मामला खत्म हो सकता है।" इसी दौरान उसने रिटायर्ड इंजीनियर से 10 लाख रुपए की डिमांड की।

9.50 लाख लेकर हुआ फरार, ऐसे खुला राज

खुद को बचाने के लिए रिटायर्ड इंजीनियर ने धर्मेंद्र चौहान को किस्तों में कुल 9,50,000 रुपए दे दिए। आरोपी धर्मेंद्र जगदलपुर में टेंट का व्यवसाय करता है। पीड़ित के खेतों की देखरेख भी करता था, इसलिए उसे देवलाल की कमजोरियों और पुराने कार्यक्षेत्रों की पूरी जानकारी थी। जब काफी समय बाद भी मामला शांत नहीं हुआ, तब पीड़ित को शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। राखी पुलिस ने रिटायर्ड इंजीनियर की शिकायत पर 28 जनवरी को अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

साप्ताहिक शहर सत्ता

खल्लारी मंदिर में रोपवे टूटा, 2 ट्रॉली खाई में गिरी

1 की मौत, 16 घायल; नवरात्रि पर दर्शन के लिए पहुंचे थे

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रोपवे टूटने से 16 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक युवती की मौत हो गई। घायलों में 4 की हालत गंभीर है। खल्लारी मंदिर तक जाने के लिए 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं, इसलिए यहां रोप-वे लगाया गया है।

यह सभी लोग चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद कुछ श्रद्धालु रोपवे की ट्रॉली से नीचे उतर रहे थे। तभी अचानक केबल टूट गया। ट्रॉली पहाड़ी से टकराई और उसमें बैठे लोग करीब 20 फीट नीचे गिर गए। इसी दौरान ऊपर जा रही दूसरी ट्रॉली भी संतुलन खोकर गिर गई। उसमें बैठे लोग भी घायल हो गए। ज्यादातर घायल रायपुर के रहने वाले हैं। कलेक्टर ने कहा है कि केबल कैसे टूटा, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

2 ट्रॉली हुई हादसे का शिकार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रोपवे की 2 ट्रॉली हादसे का शिकार हुई है। पहले ट्रॉली के श्रद्धालु दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी केबल टूटने से ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान से जा टकराई। इस जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को गंभीर चोटें आईं। एक युवती ने दम तोड़ दिया। इसी दौरान नीचे से ऊपर जा रही ट्रॉली भी बीच में अनियंत्रित हुई। जिससे ये ट्रॉली भी नीचे गिर गई। इसमें बैठे लोगों को भी चोट आई है। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई।

लापरवाही या गंभीर चूक

चैत्र नवरात्रि के कारण खल्लारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। स्थानीय लोगों ने रोप-वे के नियमित रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर इसका मेंटेनेंस किया जाता तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था। घटना के बाद प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

घटना की बारीकी से जांच कराई जाएगी, ताकि कारणों का पता लगाया जा सके। घायलों के उपचार, देखभाल को प्राथमिकता दी गई है।

विनय कुमार लंगेह, कलेक्टर, महासमुंद

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा : चयन सूची पर 7 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें

शहर सत्ता/रायपुर। आबकारी आरक्षक पद हेतु छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा (ABA25) के अंतर्गत जारी मेरिट सूची के आधार पर विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक मापदण्ड की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके उपरांत मुख्य सूची एवं अनुपूरक सूची जारी कर चयन परिणाम घोषित किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार चयन परिणाम में अंक, टंकण, मापदण्ड या प्रक्रिया संबंधी किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने की स्थिति में व्यापम द्वारा उपलब्ध कराए गए मूल डाटा के आधार पर संशोधन किया जा सकेगा। यदि किसी अभ्यर्थी को जारी चयन परिणाम के संबंध में कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो, तो वे सूचना पत्र जारी होने की तिथि से 7 दिवस के भीतर कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, वाणिज्यिक कर (जीएसटी) भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर अथवा विभागीय ईमेल excise.comm.cg@gov.in पर आवश्यक दस्तावेजों सहित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त दावा-आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्णय लिया जाएगा तथा संबंधित अभ्यर्थियों को पृथक से सूचना प्रदान की जाएगी।

4 साल में 285 बंदियों की मौत

बीमारी-सुसाइड प्रमुख कारण, विपक्ष बोला- खाली पड़े डॉक्टर्स के पद

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ की जेलों में बंद कैदियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पिछले 4 सालों में राज्य की अलग-अलग जेलों में कुल 285 बंदियों की मौत हुई है। हर साल 50 से ज्यादा मौतें दर्ज की गई है। 2022 में सबसे ज्यादा 90 मौतें हुई हैं। विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सवाल पर सरकार ने लिखित जवाब में यह आंकड़े पेश किए। रिपोर्ट के अनुसार इन मौतों की मुख्य वजह गंभीर बीमारियां और आत्महत्या रही हैं। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं दी गई कि सुसाइड से कितनी मौतें हुई हैं। वहीं विपक्ष का कहना है कि जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी रखे जा रहे हैं। इस वजह से संक्रमण और मानसिक तनाव लगातार बढ़ रहा है। जेलों में डॉक्टरों के पद खाली पड़े हैं और मनोचिकित्सकों की कमी है।

बीमारी और आत्महत्या बने प्रमुख कारण

जेल विभाग की दी गई जानकारी के अनुसार मृत बंदियों में से अधिकांश लंबी बीमारी से ग्रसित थे। जेलों के भीतर चिकित्सा सुविधाओं के अभाव और समय पर इलाज न मिलने के आरोपों के बीच सरकार की ओर कहा गया कि कई कैदी भर्ती होने के समय से ही क्रोनिक बीमारियों से जूझ रहे थे।

विधानसभा में पूर्व सीएम ने उठाया था मुद्दा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सदन में जेलों की स्थिति और बंदियों के मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाए थे। जवाब में बताया गया कि कुल 285 बंदियों की मौत हुई, जो प्रदेश की अलग-अलग जेलों में बंद थे। इन बंदियों की मौत के प्रमुख कारण हार्ट अटैक, टीबी, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां रहीं, जबकि कुछ मामलों में फांसी लगाकर आत्महत्या के मामले सामने आए। बंदियों की मौत के बाद हर मामले में नियमानुसार न्यायिक जांच कराई गई है।

विपक्ष बोला- जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी

विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी रखे जा रहे हैं, जिससे संक्रमण और मानसिक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। जेलों में डॉक्टरों के खाली पद और मनोचिकित्सकों की कमी को भी इन मौतों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं सरकार ने आश्वासन दिया है कि जेलों में स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत करने और बंदियों की काउंसिलिंग के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए खिलाड़ियों का छग पहुंचना शुरू

शहर सत्ता/रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में भागीदारी के लिए खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ पहुंचना शुरू हो गया है। आज सवेरे अरुणाचल प्रदेश के वेटलिफ्टरों का 14 सदस्यीय दल रायपुर पहुंचा। इनमें 13 खिलाड़ी और एक सपोर्टिंग स्टॉफ शामिल है।

खिलाड़ियों के छत्तीसगढ़ आगमन पर रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर राऊत नाचा दल की रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा साई (SAI) के अधिकारियों ने गुलाब भेंटकर सभी खिलाड़ियों का हार्दिक स्वागत किया। 23 मार्च को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ी बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचेंगे। देश में पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ के तीन शहरों - रायपुर, अंबिकापुर और जगदलपुर में किया गया है।

इसमें देशभर के करीब तीन हजार जनजातीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। 25 मार्च से 3 अप्रैल तक छत्तीसगढ़वासियों को सात खेलों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस दौरान पुरूष और महिला वर्गों में हॉकी, फुटबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स, तैराकी, तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं होंगी।

नवरात्रि पर जेलों में आध्यात्मिक माहौल, बंदियों को मिली विशेष सुविधाएं

नवरात्रि में बंदियों के मुंह में माता रानी का नाम और हाथों में ढोल-मंजीरा

शहर सत्ता/रायपुर। जिनके हाथ अपराध हुए और आमदिनों में जिनकी जुबान पर अप्रिय शब्द रहते हैं वही रोज माता रानी का नाम जप रहे हैं और औजारों की जगह हाथ में ढोल-मंजीरा थामे रखे हैं। छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में नवरात्रि पर्व को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर परिरुद्ध बंदियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे वे धार्मिक आस्था के अनुरूप उपवास एवं पूजा-अर्चना कर सकें।

प्रदेश की जेलों में कुल 2397 बंदी नवरात्रि का उपवास कर रहे हैं, जिनमें 2125 पुरुष एवं 272 महिला बंदी शामिल हैं। यह आंकड़ा न केवल आस्था की गहराई को दर्शाता है, बल्कि जेलों में सकारात्मक और आध्यात्मिक वातावरण के सृजन का भी परिचायक है। इसमें रायपुर संभाग के 1140 बंदी, दुर्ग संभाग में 243 बंदी, बिलासपुर संभाग में 407 बंदी, सरगुजा संभाग में 361 बंदी, बस्तर संभाग में 246 बंदी अपनी आस्था अनुसार उपवास का पालन कर रहे हैं।

नवरात्रि के दौरान जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को फलाहार, स्वच्छ पेयजल, पूजा सामग्री एवं निर्धारित समय पर आरती-पूजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से बंदियों के मनोबल को सुदृढ़ करने और उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल न केवल बंदियों की धार्मिक आस्था का सम्मान है, बल्कि उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

विगत दिनों विधानसभा में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया था कि जेलों को अब सजा घर नहीं बल्कि सुधार एवं पुनर्वास गृह के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें उन्हें विभिन्न कलाओं को सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने के साथ समाज से जोड़ने और बेहतर जीवन के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

धुरंधर एजेंडा

धुरंधर-1 में रहमान डकैत से लेकर खनानी, बटोई और अब धुरंधर-2 में आतिफ तक के खात्मे का जो धुरंधर एजेंडा प्रस्तुत किया गया है वह कई सौ करोड़ की फिल्म में इसे शामिल करने के लिए काफी है। फिल्म 3 घंटे 52 मिनट की है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड 236 करोड़ रुपए की कमाई कर नया रिकॉर्ड बनाया है। लेकिन धुरंधर-2 ने चौंकाया है भारतीय दर्शकों को...पहले तो पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों का काम तमाम करने एक को भेजा जाता है। फिर देश के अंदर भी भारत के भारतीय दुश्मनों का राज फाश करती यह फिल्म अब जिरह का विषय है। क्या यह धुरंधर एजेंडा है?

इस बात से कतई इंकार नहीं है कि फिल्म 'धुरंधर' एजेंडाबाजी फिल्म की तोहमत से बच नहीं सकती। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धों की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्मों ने राष्ट्रवाद को भुना कर आशातीत सफलता हासिल की है। लेकिन फिल्म धुरंधर के जरिए आदित्य धर ने पाकिस्तानी सियायतदानों और फौजी हुक्मरानों में भारत के प्रति पनपती नफरत को देश की बजाए 'कौम' से जोड़कर नया आयाम दे दिया है। धुरंधर की कमर्शियल और क्रिएटिव सफलता ने इस बात को साबित कर दिया कि नैरेटिव और एजेंडा गढ़ने में अब केवल लेफ्टिस्टों का एकाधिकार नहीं रहा।

कोई फिल्मकार इतनी साफगोई और बेखौफ तरीके से भी कहानी सुना सकता है, विश्वास ही नहीं होता। धुरंधर के कथानक में सन 1999 से लेकर महज चार साल पहले यानी 2022 तक के कालखंड में भारत में लिए गए प्रमुख फैसलों, घटी राजनीतिक-राजनैयिक घटनाओं और इनसे जुड़े पात्र शामिल हैं। इन घटनाओं और फैसलों की कड़ियां किस तरह पड़ोसी मुल्क के साथ जुड़ी हैं, ये आपके लिए देखना दिलचस्प होगा। फिल्म में तेजी के साथ आते ट्विस्ट से आपका एक नहीं बल्कि कई बार चौंकना तय है।

वैसे हतप्रभ करने वाला दूसरा पहलू भी है और वह है, धुरंधर, एजेंडा और इसे लेकर भविष्य में मचने वाला बवाल। फिल्म 'धुरंधर' एजेंडाबाजी फिल्म की तोहमत से बच नहीं सकती। मुगलों से लेकर उनके वंशजों से जूझते भारत की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्मों ने राष्ट्रवाद को भुना कर आशातीत सफलता हासिल की है। भारतीय सिनेमा के व्याकरण और व्यापार दोनों को बदल कर रख दिया है। इतिहास को कुरेदने के बाद विवादग्रस्त लोगों के लिए विवादित फैसले को जस्टिफाई दर्शक करेंगे...फ़िलहाल भारत के दर्शक भी आत्ममुग्धता की पराकष्ठा पार हैं।

वैश्विक संकट और कांग्रेस की सस्ती राजनीति

पंकज झा

देशद्रोह केवल वही नहीं होता जहां सीधे तौर पर देश से गद्दारी की जाए, देशद्रोह वह भी होता है जहां कोई राजनीतिक दल अपने देश की विदेश नीति के विरुद्ध ही गाल बजाना शुरू कर दे, विदेशों में जा-जा कर अपनी ही चुनी हुई सरकार के विरुद्ध प्रोपेगैंडा करे, अपनी ही सरकार को निराधार ही सरेंडर, कम्प्रोमाइज्ड आदि बताये। ऐसा ही देशद्रोह लगातार कांग्रेस सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के अन्य नेता भी उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने में देश की सुरक्षा और शांति को दांव पर लगाने से नहीं चूकते। कठिन वैश्विक परिस्थिति, भीषण युद्ध की स्थिति में भी जो देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहे, जो जनता को भड़काने के हर जतन में लगे रहे, जो लगातार झूठ और फरेब परोसता रहे विशेषकर ऐसे समय में, उसे न केवल देशद्रोही अपितु लोकद्रोही भी कहना चाहिए। कांग्रेस रसोई गैस और पेट्रोलियम आदि के मामले में यही करती नजर आ रही है। कांग्रेस की हर संभव कोशिश यही है कि किसी न किसी तरह जनता में अनरेस्ट फैले।

उसके बाद ये अराजकता फैलाएं और फिर अपनी रोटी सेंक सकें। बाहरी कोशिश के बतौर तो लगातार वे कर ही रहे हैं, देश के भीतर भी भय फैलाना अब कांग्रेस ने अपनी अघोषित नीति के तहत शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लगातार गैस संकट का दुष्प्रचार करने, किंतु विफल रहने के बाद सोशल मीडिया पर जनमत संग्रह कराना शुरू किया। मानो वे कांग्रेस के जमाने के पीएम हों और गैस संकट तब का जम्मू-कश्मीर। उन्हें लगा कि अपने लोगों द्वारा वे यह साबित करने में सफल हो जायेंगे कि देश में त्राहिमाम बचा है। पर हजारों लोगों ने स्वतः स्फूर्त ढंग से उनके पोस्ट पर उन्हें बताया कि आपूर्ति सुचारू है और सबको समय से मिल जा रहा है। जाहिर है, कांग्रेस की ऐसी हर हरकत उसके वोट बैंक में एक-दो प्रतिशत की सेंध तो लगा ही देता है। ऐसा कुछ भी करने से इनका उल्लू सीधा नहीं हो पा रहा है, यह तय है। फिर भी इनकी ऐसी हरकत जारी है।

विदेशी परिस्थितियों को भी सांप्रदायिक रंग देते रहने की कोशिश समेत ऐसे तमाम कृत्यों से कांग्रेस देश को कमजोर करने या दिखाने की कोशिश लगातार कर रही है। इसमें बुरी तरह विफल होते रहने के बावजूद उसके अस्तित्व के लिए शायद यही एकमात्र विकल्प है कि वह झूठ फैलाते रहे। कांग्रेस के पूरे प्रोपगेंडा का हेतु यही है कि वह आपूर्ति में कमी का रोना रोये ताकि लोग डर कर अधिक से अधिक पैनिक बुकिंग करें ताकि सिस्टम फेल हो सके।

जाहिर है अत्यधिक असामान्य मांग पैदा होने पर संकट खड़ा होता ही है, कांग्रेस इसी कोशिश में लगी है जिसका शिकार वास्तविक जरूरतमंद हो सकते हैं, दुखद यह है कि कांग्रेस को कभी उसकी परवाह रही भी नहीं है। आज जहां तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में स्थिति सामान्य है, वही याद कीजिए खाड़ी युद्ध का दौर। भारत में तब कांग्रेस की सरकार थी और आपूर्ति श्रृंखला लगभग चौपट हो गयी थी। अभी से लगभग चौथाई से कम तब पेट्रो पदार्थों की मांग थी (1990 में लगभग 58 मिलियन टन - 2025 में लगभग 250 मिलियन टन), क्योंकि न तो इतने अधिक रसोई गैस कनेक्शन थे, न ही इतनी सारी गाड़ियां ही थीं। फिर भी देश भर में हाहाकार मचा हुआ था। कई-कई किलोमीटर लम्बी कतार लग रही थी तब पेट्रो पदार्थों के लिए। तब अपेक्षाकृत अल्प चुनौतियों के बावजूद अपने कुप्रबंधन और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण ऐसा लड़खड़ाई थी कांग्रेस सरकार जिसकी बुरी यादें आजतक ताजा है। नौबत यहां तक आ गयी थी कि अपमानजनक ढंग से कांग्रेस (और उसकी समर्थित) सरकार को भारत का 67 टन सोना बाकायदा फिजिकल रूप में देश के बाहर गिरवी रखने भेजना पड़ा था। और वह फिजिकल सोना कांग्रेस ला नहीं पायी फिर देश वापस। फिर भी तब का विपक्ष संयत रहा था और देश की विदेश नीति के साथ खड़ा रहा, भले घरेलू मामलों में कांग्रेस की नाक में दम किए रहा था।

इसके इतर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में सन 2024 में ब्रिटेन से 100 टन सोना लाकर अपने स्वर्ण भंडार को मजबूत किया। आज जिस तरह सोने के भाव आसमान पर हैं, ऐसे में आप ऐतिहासिक सौ टन सोना के आने के निर्णय की कल्पना कीजिये। कोई भी गर्व करना चाहेगा अपनी सरकार पर। कांग्रेस का ऐसा ही गैर जिम्मेदाराना रवैया कोरोना जैसी मानव सभ्यता के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी महामारी के समय भी देखने को मिला था। उस अकल्पनीय संकट के समय भी भारत में आपूर्ति श्रृंखला न केवल चमत्कारिक रूप से सुचारू रहा था बल्कि मोदीजी की सरकार ने अपने अनाज का गोदाम जनता के लिए खोल दिया था, जो आज तक जारी है। मोदीजी की सरकार ने उस 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को अब स्थायी ही कर दिया है और आज देश के 81.35 करोड़ लोग निःशुल्क पेट भर अनाज अपनी सरकार से अपने ही घर में पा रहे हैं।

मशीनी युग में चरित्र निर्माण: माता-पिता की नई जिम्मेदारी

राजभूषण सिंह 'गहलौत'

आजकल माता-पिता अपने बच्चों को साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथेमेटिक्स खूब सिखाते हैं। जिस बच्चे को देखो, इन चारों की दिशा में दौड़ रहा है। लेकिन अब एक शिक्षा और दी जानी चाहिए और वो है चरित्र निर्माण की। और यहां चरित्र का अर्थ है- आपसी संबंध, सामाजिकता, परिवार और परमात्मा। इसकी भी शिक्षा माता-पिता लगातार बच्चों को देते रहें तो मशीन से फायदा तो उठाएंगे, नुकसान से बच जाएंगे। स्कूलों से, कॉलेजों से, विश्वविद्यालय से उम्मीद न की जाए। क्योंकि शिक्षा वाले चरित्र का "स्कैम' हो गया है। इसलिए हम अत्यधिक सावधानी से अपने बच्चों को चरित्र की तरफ मोड़ें। अब समय आ गया है कि हम इस बात पर जोर दें- खासतौर पर माता-पिता- कि इंसान की रचनात्मकता मशीनों से अहम रहे। क्योंकि जिस तेजी से मशीनें हमारे जीवन में उतरेंगी, हम लोगों की माता-पिता के रूप में तो उम्र बीत जाएगी, पर हमारे बच्चे न मशीन रह पाएंगे, न इंसान। उनका शिखंडी व्यक्तित्व हमारे ही सामने दिखेगा और हम कुछ नहीं कर पाएंगे।

साप्ताहिक शहर सत्ता

48 घंटों के अंदर होर्मुज स्ट्रेट नहीं खुला तो तबाह हो जाएगा ईरानः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (22 मार्च) को ईरान को चेतावनी दी कि अगर वे 48 घंटों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलते हैं तो अमेरिका उनके कई बिजली संयंत्रों पर हमला करके उन्हें पूरी तरह नष्ट कर देगा और हमले की शुरुआत सबसे बड़े बिजली संयंत्र से की जाएगी.ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने ईरान से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की अपील की, जिसे अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर हमले और उसके जवाबी हमलों के बाद से ईरानी सेना ने पूरी तरह से ब्लॉक कर रखा है.

पावर प्लांट तबाह कर देंगे- ट्रंप

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा कि अगर ईरान इस समय से ठीक 48 घंटों के भीतर बिना किसी धमकी के होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से नहीं खोलता है तो अमेरिका उनके कई पावर प्लांट पर हमला करके उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर देगा, जिसकी शुरुआत सबसे बड़े बिजली संयंत्र से की जाएगी. इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद.

तेल की कीमतों में भारी उछाल

बता दें कि ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के आवागमन को ब्लॉक करने के चलते तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, ऐसे में ट्रंप की ये टिप्पणियां सामने आई हैं. शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को स्थिर किए बिना भी मौजूदा संघर्ष से पीछे हट सकता है. होर्मुज जलडमरूमध्य वह जलमार्ग है जिससे होकर दुनिया के तेल की आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है. ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और निगरानी इसका उपयोग करने वाले अन्य देशों द्वारा की जानी चाहिए. संयुक्त राज्य अमेरिका इसका उपयोग नहीं करता है. इसी बीच ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में घोषणा की कि वह शुक्रवार तक जहाजों पर लादे जा चुके ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा रहा है.अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक्स पर पोस्ट किया कि इस छूट से वैश्विक बाजारों में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल आएगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम करने में मदद मिलेगी.

ईरान पर हमले के लिए PAK पर दबाव डाल रहा सऊदी

ईरान पर हमले के लिए सऊदी अरब पाकिस्तान पर दबाव डाल रहा है और उसे 2025 के रक्षा समझौते की याद दिला रहा है. सऊदी विशेषज्ञों के जरिए कनाडा को भेजे गए एक टीवी संदेश में रियाद ने संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर वो इस्लामाबाद से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं.सऊदी अरब यमन में जमीनी अभियानों को जारी रखने में आई चुनौतियों के बाद पाकिस्तान की अनुभवी सेना पर निर्भर नजर आ रहा है. कहा जाता है कि इस रक्षा समझौते से रियाद को पाकिस्तान की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का लाभ मिलेगा, जिससे अमेरिका पर उसकी निर्भरता कम होगी. इसके अलावा वो ईरान के खिलाफ मजबूत स्थिति में होगा. पाकिस्तान को ईरान के साथ किसी भी संघर्ष में गंभीर जोखिम उठाने पड़ सकते हैं. शिया-बहुल ईरान पर हमला देश में सांप्रदायिक अशांति को जन्म दे सकता है. पाकिस्तान में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी शिया आबादी है, जिसकी अनुमानित संख्या 30 से 50 मिलियन के बीच है. इसके अलावा युद्ध कंगाल पाकिस्तान को पहले से और कमजोर बना सकता है. तेल की बढ़ती कीमतें, खाड़ी देशों से आने वाली धनराशि में कमी और पहले से ही तनावपूर्ण वित्तीय स्थिति संकट को और गहरा कर सकती है.दरअसल पाकिस्तान ईरान के साथ 900 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है, जिससे जवाबी कार्रवाई का खतरा बढ़ जाता है. वह पहले से ही अफगानिस्तान में आतंकवादियों और बलूच विद्रोहियों से जुड़े तनावों से निपट रहा है।

ईरान ने 4000KM दूर डिएगो गार्सिया पर दागी मिसाइल, PM मोदी को बताई जंग रोकने की शर्त

ईरान के 4,000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर में किए गए हमले ने इजरायल और अमेरिका के साथ-साथ पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है, क्योंकि ईरान अब तक सार्वजनिक तौर पर यही कहता आया है कि उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों की मारक क्षमता 2000 किलोमीटर तक है. यह हमला इस बात की तरफ इशारा करता है कि उसके पास सार्वजनिक तौर पर घोषित क्षमता से कहीं ज्यादा एडवांस और लंबी दूरी की मारक क्षमता रखने वाली मिसाइलें हो सकती है, जिनके बारे में अब तक दुनिया को जानकारी नहीं है. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बातचीत में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के साथ मध्य पूर्व में जारी तनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि इस युद्ध को ईरान ने शुरू नहीं किया था. हमलावरों ने बिना किसी वैध कारण के ही ईरान पर हमले शुरू कर दिए थे. हम वैश्विक नेताओं से फोन पर या आमने-सामने बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, लेकिन इस युद्ध के रोकने के लिए शर्त यह है कि अमेरिका और इजरायल तुरंत अपनी आक्रामकता रोकें और साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने की गारंटी भी दें. ईरान के साथ तीन हफ्तों के युद्ध के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान में मौजूद सभी परमाणु ठिकानों और संबंधित सामग्रियों को अपने कब्जे में लेने के लिए बड़ी प्लानिंग कर रहे हैं. इसके लिए वह परमाणु सामग्रियों को वहां सुरक्षित करने और उन्हें निकालने के तरीकों के विकल्पों को लेकर अपने प्रशासन के साथ चर्च कर रहे हैं. हालांकि, अभी तक ट्रंप ने ऐसे किसी ऑपरेशन के लिए आधिकारिक रूप से आदेश नहीं दिया है.

CPI नेता मोल्लाह का दावा, केरल में त्रिकोणीय हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली। इस बार केरल में विधानसभा चुनाव के दौरान त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है. सीपीआई नेता हन्नान मोल्लाह ने बीजेपी का राज्य में जनाधार बढ़ने की बात को कबूल करते हुए यह भविष्यवाणी की है. उन्होंने कबूल किया राज्य में बीजेपी का जनाधार बढ़ा है.हालांकि हन्नान मोल्लाह ने कहा है कि केरल में बीजेपी के जीतने की कोई उम्मीद नहीं है. उन्हें कुछ सीटें ही मिलेंगी. वे मुकाबले को त्रिकोणीय करने की कोशिश करेंगे. पहले यहां कांग्रेस और हमारे यानी सीपीआई के बीच होता था. इस बार बीजेपी का वोट समर्थन बढ़ा है. इतना नहीं बढ़ा है कि वे किसी को चुनौती दे सकें. सत्ता में आने की संभावना नहीं है.

उन्होंने मिडिल ईस्ट में चल रही जंग को लेकर निशाना साधा है. उन्होंने कहा है कि अमेरिका इजरायल ने ईरान पर जबरन हमला किया. सीपीआई नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा है कि ईरान के साथ हमारा संबंध सालों पुराना है. वो हमें सुविधा देता है. ईरान पर जब हमला हुआ तो भारत को स्टैंड लेना चाहिए था, लेकिन हमारी सरकार दुख नहीं जताया. इसके अलावा उन्होंने कहा कि युद्ध के 10 दिन बाद गैस की समस्या भारत में हुई तो ईरान से बात की. ईरान ने भारत को गैस सरकार की नीतियों की वजह से नहीं, भारत के लोगों की वजह से दी है. उन्होंने कहा कि एकतरफा दोस्ती नहीं हो सकती. ईरान हमारा दोस्तो हमें भी उनके बुरे वक्त में साथ देना होगा. सीपीआई नेता ने कहा कि उनका काम ही धमकी देना है. सुबह उठते हैं, तो दिन की शुरुआत धमकी देकर करते हैं. केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी के उपभोक्ताओं को 20 फीसदी अतिरिक्त आवंटन की मंजूरी देने पर सीपीआई (एम) नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा कि यह थोड़ा जरूरी है. हमारे देश के कई शहरों में छोटे-छोटे रेस्टोरेंट बंद हो गए थे।

पाकिस्तान में ईद के दिन लश्कर कमांडर बिलाल आरिफ की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार (21 मार्च) को ईद की नमाज के बाद आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की उसके परिवार वालों ने चाकू और गोली मारकर हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि यह घटना मुरीदके अंतर्गत एक मरकज के पास लश्कर-ए-तैबा के ध्वस्त मुख्यालय के नजदीक हुई है.हत्या के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन खुफिया सूत्रों को पारिवारिक विवाद का संदेह है. सूत्रों ने बताया कि हत्या में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें आतंकी बिलाल जमीन पर बेजान पड़ा दिख रहा है. हालांकि इनकी प्रामाणिकता की पुष्टि होना बाकी है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिलाल लश्कर-ए-तैयबा के मुरीदके सेंटर में भर्ती का मुख्य जिम्मेदार था. वो युवाओं की पहचान कर उन्हें बरगलाकर जिहादी एजेंडे का प्रचार करता था. बताया जाता है कि बिलाल का काम लोगों को वैचारिक प्रशिक्षण देकर उनका ब्रेनवॉश करना था, हालांकि भारत में बिलाल की कोई तलाश नहीं थी. दशकों तक आतंकी नेटवर्कों को अपनी विदेश नीति का हथियार बनाकर बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अब खुद ही अपने जाल में फंस गया है. वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) 2026 में पहली बार पाकिस्तान पहले स्थान पर है और 2025 में दुनिया का सबसे ज़्यादा आतंक प्रभावित देश बन गया है. यहां 1,139 मौतें, 1,045 हमले, 1595 लोग घायल और 655 बंधकों के मामले सामने आए हैं. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में सबसे अधिक आतंकी घटनाएं हुईं. जिनमें 74 प्रतिशत हमले और 67 प्रतिशत मौतें दर्ज की गईं हैं. सबसे प्रमुख आतंकी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान है, जिसने 2025 में 595 हमले किए और 637 लोगों की मौतों के लिए जिम्मेदार था।

ईरान के एयरबेस पर हुए हमलों के बाद परमाणु सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी

फट जाए परमाणु बम तो रेडिएशन से कैसे बचें

21 मार्च 2026 को ईरान के एयरबेस पर हुए हमलों के बाद परमाणु सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है. परमाणु बम फटने की स्थिति में भागने के बजाय कंक्रीट की मजबूत इमारत या बेसमेंट में छिपना चाहिए.ईरान के खूजिस्तान प्रांत में 21 मार्च 2026 को देजफुल शहर के पास स्थित वाहदाती एयरबेस पर हुई भीषण बमबारी ने पूरी दुनिया को दहला दिया है. अमेरिका और इजरायल की सटीक मिसाइलों ने इस बेस के गोला-बारूद बंकरों को निशाना बनाया, जिससे वहां रखे हथियारों में धमाकों की एक लंबी चेन रिएक्शन शुरू हो गई है. युद्ध के इन बिगड़ते हालात ने एक बार फिर परमाणु हमले के पुराने डर को ताजा कर दिया है. परमाणु बम मानव सभ्यता के लिए अब तक का सबसे बड़ा खतरा है. आज के तनावपूर्ण माहौल में यह समझना बेहद जरूरी है कि अगर कभी परमाणु विस्फोट जैसी स्थिति बने, तो रेडिएशन से खुद को कैसे बचाया जा सकता है.

परमाणु बम का धमाका होने पर सबसे पहले तीव्र प्रकाश, भीषण गर्मी और ऊर्जा की एक लहर पैदा होती है. हिरोशिमा में धमाके के समय इतनी गर्मी पैदा हुई थी कि लोग खड़े-खड़े भाप बन गए थे, लेकिन जो लोग धमाके के केंद्र से दूर होते हैं, उनके लिए सबसे बड़ा दुश्मन 'रेडिएशन' (विकिरण) होता है. परमाणु बम का धमाका होने पर सबसे पहले तीव्र प्रकाश, भीषण गर्मी और ऊर्जा की एक लहर पैदा होती है. रेडिएशन हवा के जरिए कई किलोमीटर तक फैलता है और

इंसानी शरीर के सेल्स को नष्ट कर देता है. यह अदृश्य मौत है, जो तुरंत नहीं तो कुछ दिनों या महीनों बाद इंसान को तड़पाकर मारती है. इसलिए, परमाणु हमले की स्थिति में बचाव के लिए चंद सेकंड ही मिलते हैं और सही जानकारी ही जान बचा सकती है. ज्यादातर लोग सोचते हैं कि परमाणु धमाका देखते ही दूर भागना सही है, लेकिन हकीकत में ऐसा करना जानलेवा हो सकता है. रेडिएशन की लहर बहुत तेज होती है, इसलिए बाहर भागने के बजाय अंदर जाएं, 'अंदर रहें और जानकारी में रहें' का नियम अपनाना चाहिए. धमाके की खबर मिलते ही किसी पक्की ईंट या कंक्रीट की मजबूत इमारत के भीतर चले जाएं. अगर इमारत में बेसमेंट या तहखाना है, तो वह सबसे सुरक्षित जगह है. कंक्रीट की मोटी दीवारें रेडिएशन को काफी हद तक रोकने में सक्षम होती हैं. खिड़कियों और दरवाजों से जितना हो सके दूर रहें क्योंकि कांच टूटने और रेडिएशन अंदर आने का खतरा सबसे ज्यादा वहीं होता है. यदि धमाके के समय आप बाहर थे और फिर सुरक्षित जगह पर पहुंचे हैं, तो सबसे पहले अपने बाहरी कपड़ों को उतार दें. रेडियोएक्टिव कण धूल की तरह आपके कपड़ों पर चिपक जाते हैं. इन कपड़ों को तुरंत उतारकर एक प्लास्टिक बैग में बंद कर दें और उसे घर के ऐसे कोने में रखें जहां इंसान या जानवर न जा सकें. इसके बाद गुनगुने पानी और साबुन से अच्छी तरह नहाएं. ध्यान रखें कि त्वचा को बहुत जोर से न रगड़ें, क्योंकि इससे रेडिएशन के कण जख्मों के जरिए शरीर के अंदर जा सकते हैं. अपनी आंखों, नाक और कानों को गीले साफ कपड़े से पोंछ लें. यह प्रक्रिया आपके शरीर पर मौजूद 90% तक रेडिएशन को कम कर सकती है. रेडिएशन से बचने के लिए हवा के संपर्क को कम करना बहुत जरूरी है. घर के सभी खिड़की-दरवाजे बंद कर दें और एसी, पंखे या हीटर जैसे उपकरणों को बंद कर दें जो बाहर की हवा को अंदर खींचते हैं. कम से कम 24 से 48 घंटे तक घर के अंदर ही रहना चाहिए, क्योंकि शुरुआती 24 घंटों में रेडिएशन का स्तर सबसे घातक होता है. रेडिएशन से बचने के लिए हवा के संपर्क को कम करना बहुत जरूरी ह।

आईपीएल में ऑरेंज कैप जीतने में विराट, वॉर्नर और गेल सबसे आगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में सभी 10 टीम इस इरादे से मैदान में उतरती हैं कि उन्हें चमचमाती ट्रॉफी उठाने का मौका मिलेगा. अब तक दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स ही ऐसी तीन टीम हैं जिन्हें कभी IPL ट्रॉफी उठाने का अवसर नहीं मिला है. मगर यहां बल्लेबाजों के बीच अलग से पूरे सीजन में होड़ लगी रहती है. जो बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन बनाता है, उसे ऑरेंज कैप पहनने का मौका मिलता है. सीजन के अंत में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप के साथ-साथ प्राइज मनी भी मिलती है. यहां देखिए उन क्रिकेटरों की लिस्ट, जिन्होंने पिछले 18 सीजन में ऑरेंज कैप जीती है.

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सिर्फ 3 ही खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने एक से अधिक बार ऑरेंज कैप जीती है. डेविड वॉर्नर ने तीन बार ऑरेंज कैप जीती है, जो सबसे ज्यादा है. उन्होंने तीनों बार सनराइजर्स हैदराबाद के लिए यह कारनामा किया था. वहीं विराट कोहली और क्रिस गेल दो-दो बार ऑरेंज कैप जीत चुके हैं. दोनों ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए यह उपलब्धि हासिल की है. 2025 सीजन में ऑरेंज कैप के विजेता साई सुदर्शन रहे, जिन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए 759 रन बनाए थे.

सभी ऑरेंज कैप विजेताओं की लिस्ट:

2008 - शॉन मार्श - पंजाब किंग्स
2009 - मैथ्यू हेडन - चेन्नई सुपर किंग्स
2010 - सचिन तेंदुलकर - मुंबई इंडियंस
2011 - क्रिस गेल - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू
2012 - क्रिस गेल - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू
2013 - माइकल हसी - चेन्नई सुपर किंग्स
2014 - रॉबिन उथप्पा - कोलकाता नाइट राइडर्स
2015 - डेविड वॉर्नर - सनराइजर्स हैदराबाद
2016 - विराट कोहली - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू
2017 - डेविड वॉर्नर - सनराइजर्स हैदराबाद
2018 - केन विलियमसन - सनराइजर्स हैदराबाद
2019 - डेविड वॉर्नर - सनराइजर्स हैदराबाद
2020 - केएल राहुल - पंजाब किंग्स
2021 - ऋतुराज गायकवाड़ - चेन्नई सुपर किंग्स
2022 - जोस बटलर - राजस्थान रॉयल्स
2023 - शुभमन गिल - गुजरात टाइटंस
2024 - विराट कोहली - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू
2025 - साई सुदर्शन - गुजरात टाइटंस

शनाका ने पीएसएल को मारी लात, आईपीएल में खेलेंगे

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग का नया सीजन 26 मार्च से शुरू हो रहा है, लेकिन PSL को झटके पे झटके लगे जा रहा है. हाल ही में जिम्बाब्वे के साढ़े 6 फुट लंबे गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी ने पीएसएल कॉन्ट्रैक्ट को ठोकर मार IPL टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को जॉइन किया था. अब श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुन शनाका भी PSL कॉन्ट्रैक्ट को लात मारकर राजस्थान रॉयल्स टीम में एंट्री मारने के करीब हैं.क्रिकबज के अनुसार राजस्थान रॉयल्स के एक अधिकारी ने बताया कि वे दासुन शनाका को साइन करने के बहुत करीब हैं और कुछ अंतिम औपचारिकताएं बाकी रह गई हैं. शनाका, राजस्थान टीम में सैम करन की जगह ले रहे होंगे, जो चोट के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हो चुके हैं. पिछले साल दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में शनाका अनसोल्ड रहे थे. उसके बाद PSL ऑक्शन में लाहौर कलंदर्स ने उन्हें 75 लाख पाकिस्तानी रुपये की बोली लगाकर खरीदा था.

शनाका ही क्यों?

राजस्थान रॉयल्स द्वारा दासुन शनाका को टारगेट करना कोई चौंकाने वाला फैसला नहीं है. वो भी ऑलराउंडर हैं और बहुत अच्छे ढंग से सैम करन की जगह ले सकते हैं. मगर इसका मुख्य कारण राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगाकारा हैं, जो श्रीलंका से आते हैं. वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान विक्रम राठौड़ श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच रहे थे. राठौड़ अब राजस्थान टीम में संगाकारा के साथ सहायक कोच हैं. इसलिए दोनों शनाका के खेलने के तरीके से अच्छी तरह वाकिफ हैं.

PCB दे चुका है धमकी

खिलाड़ी लगातार PSL छोड़ इंडियन प्रीमियर लीग में आ रहे हैं, इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चिंता भी बढ़ी है. पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने मीडिया से वार्ता में बताया कि जिन भी खिलाड़ियों ने PSL कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा है, उनके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जा सकता है.

1 अप्रैल से बदल जाएंगे पैन कार्ड के नियम

नई दिल्ली। पैन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में जल्द ही कुछ अहम बदलाव लागू होने वाले हैं. जिसका सीधा असर नए

पैन कार्ड बनवाने वाले आवेदकों पर पड़ने वाला है. ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे. इसलिए अगर आप आने वाले समय में पैन कार्ड के लिए आवेदन करने की सोच रहे हैं, तो पहले इन बदलावों की जानकारी लेना जरूरी है. ताकि आगे आपको किसी तरह की परेशानी न हो. अभी तक 31 मार्च 2026 तक पैन कार्ड के लिए आवेदन करना काफी आसान है, जहां केवल आधार कार्ड के जरिए भी काम हो जाता है. ज्यादा डॉक्यूमेंट देने की जरूरत नहीं पड़ती. लेकिन 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया थोड़ी सख्त होने जा रही है.नए नियम लागू होने के बाद सिर्फ आधार के बेसिस पर पैन कार्ड बनवाना संभव नहीं होगा।

ईरान युद्ध के बीच बड़ी राहत! हजारों टन LPG लेकर भारत पहुंचा 'पाइक्सिस पायनियर' जहाज

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध की वजह से एशियाई देशों को गैस और तेल की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है. इस दौरान भारत में भी LPG की क्राइसिस देखने को मिल रही है. हालांकि, इस बीच राहत पहुंचाने वाली खबर सामने आई है. पाइक्सिस पायनियर नाम का एक जहाज एलपीजी गैस लेकर रविवार (22 मार्च) को भारत आ गया है. न्यू मंगलुरु बंदरगाह पर अगले हफ्ते बड़ी मात्रा में एलपीजी यानी गैस पहुंचने वाली है. जानकारी के अनुसार, कुल मिलाकर करीब 72,700 टन एलपीजी आ सकती है और इसकी शुरुआत हो चुकी है. सबसे पहले रविवार को एक टैंकर आया है, जिसमें 16,714 टन एलपीजी गैल लदी है. यह टैंकर पाइक्सिस

पायनियर है, जिसमें सिंगापुर का झंडा लगा हुआ है. इसका कुल वजन 47,236 टन है. यह जहाज पोर्ट ऑफ नेडरलैंड से 14 फरवरी को चला था और यहां एजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के लिए एलपीजी उतारेगा. इसके बाद यह जहाज सोमवार सुबह वापस रवाना हो जाएगा.

इसके बाद 25 मार्च को अपोलो ओसिएन नाम का टैंकर भी पोर्ट पर आएगा. यह 26,687 टन एलपीजी लेकर आएगा. इस गैस कोइंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए उतारा जाएगा. यह जहाज वियतनाम का झंडा लिए हुए है और गुजरात के वाडिनार बंदरगाह से आएगा।

1.27 लाख तक चला जाएगा सोने का भाव?

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से महंगाई का डर अब

लोगों को सताने लगा है. यही वजह है कि सोने की कीमत में पिछले हफ्ते गिरावट देखने को मिली थी. ईरान पर जब जंग की शुरुआत हुई थी, तब सोना 1,60,000 रुपये के आसपास था. हालांकि, MCX पर सोने के भाव को पिछले हफ्ते बड़ा झटका लगा है. इस दौरान सोना 1,44,825 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि COMEX पर सोने का भाव 4,574.90 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर बंद हुआ. मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है, आज सोने का भाव एक जटिल मैक्रो माहौल से गुजर रहा है, जिसमें भू-राजनीतिक तनाव और मौद्रिक सख्ती की उम्मीदें विपरीत दिशाओं में खींच रही हैं.उनका कहना है सोने में गिरावट का दौर जारी रह सकता है. इसी के साथ भारत में सोने का भाव 1,27,000 प्रति 10 ग्राम और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 4,250 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है.

SBI को मिला आयकर विभाग से मिला 6338 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक SBI (State Bank of India) को आयकर विभाग से 6337.52 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है. बैंक को 19 मार्च को मिले इस नोटिस की जानकारी अधिकारियों ने 20 मार्च को शेयर बाजार को दी. बैंक ने शुक्रवार, 20 मार्च को एक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी कि इस डिमांड में ब्याज भी शामिल है और यह रिव्यू प्रोसेस के दौरान असेसमेंट यूनिट द्वारा की गई अलग-अलग नामंजूरियों (disallowances) के कारण सामने आई है.बैंक को यह नोटिस असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं (सेक्शन 143(3), 144C(3) और 144B) के तहत मिला है. बताया जा रहा है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बैंक द्वारा दिखाए गए कुछ खर्चों और कटौतियों (disallowances) को स्वीकार नहीं किया है. इस वजह से टैक्स और उस पर लगने वाले ब्याज सहित यह नोटिस भेजा गया है. SBI का कहना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है।

अब गैस सिलेंडर मिलने में लगेंगे सिर्फ 2-3 मिनट

गुरुग्राम में खुला देश का पहला LPG ATM

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी जंग की आंच अब भारत में लोगों की रसोई तक आने लगी है. चूंकि भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 परसेंट LPG आयात करता है. ऐसे में सप्लाई चेन के टूटने से गैस की आपूर्ति में रुकावटें आ रही हैं. गैस शिपमेंट्स में हो रही देरी और पैनिक बुकिंग की चलते गैस सिलेंडरों की भारी डिमांड हो गई है. इन्हीं सारी परेशानियों को दूर करने की कोशिश में गुरुग्राम में देश का पहला LPG ATM खुल गया है. यह LPG वेंडिंग मशीन ATM की तरह ही काम करती है.

बता दें कि गुरुग्राम में सोहना इलाके के सेक्टर 33 में सेंट्रल पार्क फ्लावर वैली में LPG की यह स्मार्ट वेंडिंग मशीन भारत पेट्रोलियम (BPCL) द्वारा एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लगाई गई है. इसके जरिए आप सिर्फ 2-3 मिनट के अंदर गैस सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं. ऐसे में अब डिलीवरी का इंतजार करना भूल जाइए, जो समय पर आ भी सकती है और नहीं भी. यह मशीन आपको बिना किसी फोन कॉल, बुकिंग स्लॉट और डिलीवरी विंडो के भरा हुआ सिलेंडर लेकर जाने का मौका दे रही है. बस आपको एक आसान सा डिजिटल प्रॉसेस पूरा करना होगा. वैसे तो भारतगैस इंस्टा LPG के नाम से इस LPG ATM की आधिकारिक लॉन्चिंग दो महीने पहले हुई थी, लेकिन अब इसे आम जनता के लिए शुरू किया गया. यह मशीन दिन-रात चौबीसों घंटे खुली रहती है.

कैसे काम करती है मशीन?

- सबसे पहले आप मशीन की स्क्रीन पर अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालें.
- मोबाइल पर आए OTP को दर्ज कर अपनी पहचान वेरिफाई करें.
- अब अपने खाली सिलेंडर पर लगे QR कोड या बारकोड को मशीन के स्कैनर के सामने रखें. मशीन चेक करेगी कि सिलेंडर वैध है या नहीं.
- वेरिफिकेशन सफल होने के बाद मशीन का एक विंडो खुलेगा.
- आपको अपना खाली सिलेंडर उस स्लॉट में रखना होगा. ऑटोमेटिकली उसकी शुद्धता और वजन वगैरह चेक कर मशीन उसे अंदर खींच लेगी.
- अब स्क्रीन पर गैस की दिखाई गई कीमत का UPI से भुगतान करना होगा.
- पेमेंट सफल होने के बाद मशीन के दूसरे हिस्से या डिलीवरी विंडो से भरा हुआ सील बंद सिलेंडर बाहर आ जाएगा.
- इस पूरे प्रॉसेस में 2-3 मिनटका वक्त लगता है.

साप्ताहिक शहर सत्ता

बंगाल-असम चुनाव : प्रदेश के भाजपा नेताओं ने डाला डेरा, चुनाव तक वहीं रहेंगे

- **राष्ट्रीय संगठन ने दिया है भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय को 56 विधानसभाओं का जिम्मा**

शहर सत्ता/रायपुर। असम और बंगाल में अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश के कई भाजपा नेताओं को जिम्मेदारी मिली है। विधानसभा का सत्र चलने के कारण कई नेता नहीं जा पा रहे थे, लेकिन अब सत्र समाप्त होते ही जिन नेताओं को जहां की जिम्मेदारी मिली है, वे अब वहां चले गए हैं। अब ये नेता अपनी जिम्मेदारी वाली विधानसभाओं में चुनाव तक रहेंगे। प्रदेश के मंत्री दयालदास बघेल के साथ अनुसूचित जाति मोर्चा के संजय ढीढ़ी सहित कई नेताओं को बंगाल भेजा गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने प्रदेश के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव को जहां असम में 9 विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी को वहां पर दस विधानसभाओं का जिम्मा मिला है। केंद्रीय मंत्री तोखन साहू को भी कोकराझार लोकसभा की सभी 9 विधानसभाओं का जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा दुर्ग के सांसद विजय बघेल को भी दस विधानसभाओं की कमान सौंपी गई है। इन नेताओं ने लगातार असम का दौरा किया है। विधानसभा के बजट के कारण वापस लौटे अरुण साव और ओपी चौधरी शनिवार को असम चले गए हैं। इसी के साथ तोखन साहू और विजय बघेल भी असम पहुंच गए हैं।

बंगाल में प्रदेश के कई नेताओं को बड़ा जिम्मा

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय पर बड़ा भरोसा जताते हुए भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने उनको वहां पर 56 विधानसभाओं का जिम्मा दिया है। वे वहां का बीते साल दिसंबर से लगातार दौरा कर रहे हैं। इस समय वे वहां पर डटे हुए हैं। रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत को दुर्गापुर लोकसभा की सात विधानसभाओं का जिम्मा मिला है। इसी के साथ शिवरतन शर्मा, नीलू शर्मा, राजा पांडेय, जितेंद्र वर्मा, प्रीतपाल बेलचंदन, भूपेंद्र सवन्नी, जयंती पटेल सहित कई छोटे-बड़े नेताओं को भी बंगाल में जिम्मेदारी दी गई है। ये सारे नेता अब चुनाव होने तक वहां पर रहेंगे।

अफीम खेती के मामले में कांग्रेस ने किया साय सरकार से यक्ष प्रश्न

शहर सत्ता/रायपुर। दुर्ग, बलरामपुर के बाद रायगढ़ के तमनार की अफीम की खेती के खुलासे के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार से 6 सवाल किया है। पहला सवाल अफीम की खेती शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गृह जिले दुर्ग में, कृषि मंत्री राम विचार नेताम के गृह जिले बलरामपुर तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के गृह जिले रायगढ़ में होना क्या संयोग मात्र है या भाजपा सरकार का कृषि के क्षेत्र में नया प्रयोग ? अफीम की खेती का खुलासा जनता ने किया है। जनता ने पुलिस से शिकायत की, पुलिस और राजस्व अमला क्या कर रहा था ? अफीम की लहलहाती खेती 15 दिन, 1 महीने में तो तैयार नहीं हुई है, धान की फसल के दौरान जब पटवारी और राजस्व अमला गिरदावरी रिपोर्ट तैयार कर रहे थे तो उन्हें कैसे पता नहीं चला कि खेतों में अफीम लगा हुआ है ? अफीम की खेती के गिरदावरी में अन्य फसल तथा सब्जी कैसे लिखा गया ? भाजपा ने विनायक ताम्रकार को पार्टी से क्यों नहीं निकाला ? विनायक ताम्रकार को भाजपा क्यों बचाना चाहती है ?।

पीएम आवास हितग्राहीयो को क़िस्त क्यों नही दे रही है डबल इंजन की सरकार

छह महीना से घर तोड़कर पीएम आवास की क़िस्त के लिये भटक रहे हितग्राही किराये में रहने मजबूर

शहर सत्ता/रायपुर। पीएम आवास के हितग्राहियों को तत्काल किस्त देने की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद पीएम आवास के हितग्राहीयों को मकान बनाने क़िस्त की राशि नही मिली है। सरकार पर भरोसा कर के पीएम आवास बनने का सपना सँजोये हजारों हितग्राहियों ने अपना कच्चा मकान को तोड़ दिया।

अब स्थिति ये है कि क़िस्त नही मिलने के कारण किसी के मकान का सिर्फ कालम डला है तो किसी के मकान तीन फीट तक ईंटों से जोड़ाई हो पायी है तो किसी का मकान छत ढलाई के लिये पैसा के कारण अटका हुआ है। जिसके कारण हजारों हितग्राही पिछले छ महीने से किराये के मकान में रहने मजबूर है। ये डबल इंजन सरकार की मनमानी के कारण हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा डबल इंजन की सरकार पीएम आवास में अपनी उपलब्धि बताने मोदी के साथ फ़ोटो लगाकर बड़ी बड़ी विज्ञापन बोर्ड जगह जगह लगाई है जबकि धरातल में पीएम आवास की क़िस्त के लिए हितग्राही भटक रहे है। क़िस्त नही मिलने के कारण निर्माण का खर्चा बढ़ गया है। हितग्राही कर्ज लेकर मकान निर्माण कराने एवं मजदूरों का पारिश्रमिक भुगतान करने मजबूर है। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। हवा हवाई दावों के बजाये क़िस्त का भुगतान तय समय मे हो ये सुनिश्चित करे। जिन हितग्राहियों को बीते छ माह से एक भी क़िस्त नही मिला है उन्हें एक मुश्त पूरी राशि का भुगतान करे ताकि हितग्राही बारिश से पहले अपना मकान का निर्माण कार्य पूरा क़राकर किराये के मकान से अपने घर मे रहना शुरू कर सके। ये सरकार की जवाबदेही है।

भाजपा के लिए धर्मांतरण राजनैतिक हथियार, वह निदान नहीं चाहती

बैज का आरोप रमन सरकार में भी विधेयक पारित हुआ था 20 सालों तक वह राजभवन में कैद रहा

शहर सत्ता/रायपुर। धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक भाजपा का राजनैतिक प्रोपोगंडा मात्र है। इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद भी भाजपा धर्मांतरण के मामले में केवल राजनीति करेगी। 2006 में भाजपा ने रमन सरकार के समय भी धर्मांतरण को लेकर विधेयक विधानसभा में पारित कराया था। 20 सालों तक वह राजभवन में कैद रहा, जबकि अनेक वर्षों तक केंद्र, राज्य में भाजपा की सरकारे थी, भाजपा केवल जनता को दिखाने के लिए कानून बनाने का स्वांग रचती है। हकीकत में वह धर्मांतरण को बढ़ावा देती है ताकि वह ध्रुवीकरण की राजनीति कर सके। भाजपा गारंटी देगी क्या अबकी बार का विधेयक फिर राजभवन में कैद नहीं रहेगा? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जबरन धर्मांतरण को सुप्रीम कोर्ट ने देश के लिये बड़ी समस्या बताया था, तथा कानून बनाने के लिये केन्द्र से कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद केन्द्र में बैठी मोदी सरकार का यह कर्तव्य बन जाता है कि जबरन धर्मांतरण के खिलाफ वह पूरे देश में एक कानून बनाये। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को एक साल से अधिक हो गया, लेकिन मोदी सरकार इस पर मौन है।

भारतीय जनता पार्टी धर्मांतरण को लेकर देश भर में अफवाह फैलाने और राजनीति करने का काम करती है। जब इस मामले में ठोस पहल करने या कानून बनाने की बात आती है तब भाजपा की नीयत में खोट साफ नजर आता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को चुनौती देती है वह धर्मातरण को लेकर विशेष तौर पर छत्तीसगढ़ में धर्मातरण को लेकर श्वेत पत्र जारी करें।

5 साल तक भ्रष्टाचार करने वाले नसीहत ना दें: मुख्यमंत्री

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा ओलिंपिक और कर्मचारी चयन मंडल कानून पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। साय ने कहा कि जिन लोगों ने पांच साल तक केवल भ्रष्टाचार किया, उन्हें हमारी सरकार को नसीहत देने का कोई अधिकार नहीं है। जनता से किए वादे पूरे नहीं करने वाले लोग आज हमारी सरकार के काम पर सवाल उठा रहे हैं, यह शोभा नहीं देता। साय ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में वे प्रदेशवासियों के साथ न्याय नहीं किया। इसलिए उन्हें हर सकारात्मक पहल भी गलत नजर आती है। हमारी सरकार सुशासन, पारदर्शिता और विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। हम युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कर्मचारी चयन मंडल कानून से भर्ती प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध होगी। सरगुजा ओलिंपिक जैसे आयोजन युवाओं को मंच दे रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कांग्रेस शासनकाल में जनता से किए गए वादे अधूरे रह गए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस की मांग- भूपेश सरकार की बिजली बिल हाफ योजना को फिर शुरू करें

बिजली बिल ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया - कांग्रेस

रायपुर। बढ़े बिजली बिल ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि चार महिने से आ रहे बेतहाशा बढ़ा बिजली बिल से राज्य का हर नागरिक परेशान है। 200 यूनिट हाफ बिजली योजना से भी कोई राहत नहीं है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार भूपेश सरकार के समय शुरू की गयी बिजली बिल हाफ योजना को फिर शुरू करें, ताकि जनता को बढ़े बिजली बिल में कुछ राहत मिल सके। बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के कारण जनता बिजली के बिल नहीं पटा पा रही उनकी लाईन काटी जा रही। प्रदेश में हजारो उपभोक्ताओं की बिजली कनेक्शन काट दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार की नाकामी लापरवाही और मुनाफाखोरी वाली नीति के कारण प्रदेश के लोगों के लिए बिजली कटौती और मंहगी बिजली बड़ी समस्या बन गई है। राज्य बनने के बाद प्रदेश में बिजली के दाम सबसे ज्यादा वर्तमान समय में है। सरकार ने 400 यूनिट बिजली बिल हाफ योजना को बंद कर दिया जिससे लोगों के बिजली के बिल दुगुना से भी अधिक आ रहा। महंगी बिजली के बाद भी सरकार जनता को चौबीस घंटे बिजली नहीं उपलब्ध करवा पा रही। ग्रामीण क्षेत्र में आठ-नौ घंटे तक हो रही बिजली कटौती से जनता परेशान हो रही, लोग बिजली कटौती के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिजली उत्पादन का प्रमुख घटक कोयला है। कोयले पर लगने वाला सेस कम हो गया है, जिसके कारण कोयले का दाम न्यूनतम 400 रू. कम हो गया है, अतः सरकार वीसीए (वेरियेबल कास्ट एडजेस्टमेंट) में कटौती के आधार पर बिजली के दाम तुरंत घटाये।

"प्रोजेक्ट अजा" को द इकोनॉमिक टाइम्स गवटेक अवार्ड 2026

रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह के अभिनव पहल का सुखद प्रतिफल

शहरसत्ता/रायपुर। जिला प्रशासन द्वारा संचालित अभिनव पहल "प्रोजेक्ट अजा" को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राष्ट्रीय समाचार पत्रिका द इकॉनमिक्स टाइम्स द्वारा इस पहल को प्रतिष्ठित The Economic Times GovTech Awards 2026 में एग्रीटेक फॉर फार्मर एम्पावरमेंट श्रेणी के अंतर्गत सम्मानित किया गया है।

नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान जिले में किसानों को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना का प्रतीक है। "प्रोजेक्ट अजा" के माध्यम से जिले में किसानों, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना के तहत महिला समूह को बकरी पालन के लिए प्रेरित कर आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय जिले की पूरी टीम और लाभान्वित हितग्राहियों को देते हुए कहा कि यह सम्मान महिलाओं को आगे और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार संचालित "प्रोजेक्ट अजा" का उद्देश्य जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित हो रही है।

इस योजना के तहत महिला हितग्राहियों को 10 बकरियां एवं 2 बकरे उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे वे बकरी पालन के माध्यम से स्वरोजगार अपनाकर प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। साथ ही, मुर्गी पालन एवं गोबर खाद (गोट मैन्योर) से अतिरिक्त आय के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। प्रोजेक्ट अजा के अंतर्गत "पशु सखी" कैडर का गठन किया गया है, जो पशुपालकों को प्रशिक्षण, टीकाकरण, नस्ल सुधार एवं आधुनिक पशु प्रबंधन की जानकारी प्रदान करता है।

कलेक्टर गौरव सिंह की मॉनिटरिंग में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप को जिम्मेदारी

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए रायपुर है तैयार

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश में 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सफल आयोजन के लिए रायपुर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर सभी व्यवस्थाओं को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा बैठक में बताया गया कि जिले के चिन्हांकित खेल मैदानों में साफ-सफाई, रंग-रोगन, शौचालयों की मरम्मत सहित आवश्यक

सुधार कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। निर्धारित खेल मैदानों में विद्युत व्यवस्था बाधित न हो, इसलिए विशेष तौर पर इलेक्ट्रिशन्स की ड्यूटी लगाई गई है तथा डीजी सेट की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है।

मैदानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया जा रहा है। श्री विश्वदीप ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक वेन्यू पर समुचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराए। इसके अंतर्गत डॉक्टर, महिला डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजर एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

यह इंतजाम

- फर्स्ट एड किट एवं आवश्यक चिकित्सा सामग्री
- आपातकालीन सेवा के लिए मेकाहारा-एम्स में व्यवस्था
- फिजियोथेरेपी सेवाओं हेतु जिला अस्पताल पंडरी में इंतजाम
- 11 होटलों में खिलाड़ियों एवं अतिथियों के लिए बंदोबस्त
- होटल, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड पर हेल्पडेस्क
- खान-पान की गुणवत्ता के लिए फूड इंसेप्क्टर-न्यूट्रिशनिस्ट तैनात
- सुरक्षा और अग्निशमन वाहन एवं प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम होगी
- जिले में कुल 6 खेल मैदानों में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी

गर्मी से पहले प्रशासन अलर्ट व्यापारियों ने सीखा अग्नि सुरक्षा उपाय

रायपुर कलेक्टर के मार्गदर्शन में अग्नि सुरक्षा कार्यशाला

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में भीषण गर्मी के पूर्व अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कपड़ा व्यापारी एवं दवा व्यापारी सहित जिला प्रशासन की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्मी के समय होने वाले संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

इस दौरान नगर सेना के निर्देशक श्री चंद्रमोहन सिंह ने व्यापारियों को आग लगने के प्रमुख कारणों, उससे बचाव के उपायों एवं आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। श्री सिंह ने उपस्थित व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित करें।

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों ने इस पहल को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें आग से बचाव और सुरक्षा के प्रति महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। सभी व्यापारियों ने कहा कि हम सभी शासन एवं प्रशासन के साथ है । इस अवसर पर अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर, एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की तत्परता से अतिक्रमण मुक्त हुए दो निस्तारी तालाब

टिकरापारा, पचपेड़ी नाका में शासकीय तालाब कब्जा मुक्त

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले में अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में टिकरापारा पचपेड़ी नाका क्षेत्र में शासकीय तालाब पर किए जा रहे अतिक्रमण को हटाया गया। तालाब में मलबा डालकर अवैध रूप से अतिक्रमण किया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर की सहायता से तालाब में डाले गए मलबे को हटवाकर अतिक्रमण को समाप्त किया गया। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार सुश्री ज्योति सिंह की उपस्थिति में राजस्व एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि एवं जलस्रोतों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग भी कंट्रोल

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के सख्त रवैये के बाद अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में धरसीवां तहसील के ग्राम परसुलीडीह में प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, खसरा नंबर 54 के एक हिस्से में 17 मार्च 2026 को अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई

की गई थी। इसके बावजूद 18 मार्च को उसी स्थान पर बोरिंग का कार्य किया जा रहा था। मौके पर धरसीवां तहसीलदार श्री बाबूलाल कुर्रे सहित राजस्व व नगर निगम की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो बोरिंग मशीन और चार वाहन (KA 01 MN 9866, KA 01 MN 9776, KA 01 MK 6333, KA 01 MK 6355) जब्त किए। जब्त वाहनों को थाना विधानसभा, रायपुर को सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

चार दिन में धुरंधर 2 ने कमाए 400 करोड़

पहले पार्ट ने की थी 1300 करोड़ की कमाई, सिक्वल तोड़ेगी रिकार्ड

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर 2' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर गदर काट दिया है. फिल्म ने तीन दिन में ही 300 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली. फिल्म को बहुत ज्यादा पसंद किया जा रहा है. फिल्म के शोज भी हाउसफुल जा रहे हैं. हर तरफ फिल्ममेकर आदित्य धर की तारीफ हो रही है. धुरंधर 2 को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है. उन्होंने फिल्म को लिखा है.फिल्म में संजय दत्त चौधरी असलम के रोल में नजर आए.वहीं अर्जुन रामपाल ने फिल्म में मेजर इकबाल का किरदार निभाया.

फिल्म में आर माधवन, सारा अर्जुन, राकेश बेदी जैसे एक्टर्स भी अहम रोल में दिखे. ये फिल्म दिसंबर 2025 में आई फिल्म धुरंधर का सीक्वल है. धुरंधर में रणवीर सिंह हमजा के रोल में थे, जो कि एक इंडियन स्पाई है. फिल्म में अक्षय खन्ना रहमान डकैत बने थे. अक्षय खन्ना ने फिल्म की पूरी लाइमलाइट चुरा ली थी. उनकी एक्टिंग ने कमाल कर दिया था. वहीं अक्षय का डांस तो वायरल हो गया था. सेकंड पार्ट में रणवीर सिंह हमजा के रोल में हैं. इसी के साथ उनकी कहानी फ्लैशबैक में भी चलती हैं. जहां पर वो असली पहचान जसकीरत सिंह रंगी के रोल में दिखते हैं. साथ ही बताया जाता है कि कैसे जसकीरत सिंह रंगी हमजा बना. फिल्म में संजय दत्त और राकेश बेदी ने तो कमाल कर दिया. उनकी कॉमिक टाइमिंग भी जबरदस्त थी. धुरंधर के पहले पार्ट ने 1300 करोड़ की कमाई की थी. अब देखना होगा कि धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर कौनसे नए रिकॉर्ड तोड़ती है. फिल्म ने पहले दिन 145.55 करोड़ का कलेक्शन किया.

डे	बॉक्स ऑफिस कलेक्शन	ऑक्यूपेंसी
पेड प्रिव्यू	43 करोड़	64.8 परसेंट
पहला दिन	102.55 करोड़	67.8 परसेंट
दूसरा दिन	80.72 करोड़	62.6 परसेंट
तीसरा दिन	113 करोड़	81.6 परसेंट
चौथा दिन	73.32 करोड़ (शाम 5 बजे तक)	80.4 परसेंट
टोटल	**412.59 करोड़**	

जाह्नवी कपूर ने छोड़ी करण जौहर की टैलेंट एजेंसी, करण हुए नाराज

हाल ही में जाह्नवी कपूर ने करण जौहर की एजेंसी टैलेंट एजेंसी DCAA छोड़कर 'कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क' जॉइन किया. जाह्नवी के अलावा कई कलाकार अपने टैलेंट मैनेजमेंट टीम बदल रहे हैं. इससे पहले रणवीर सिंह और परिणीती चोपड़ा जैसे सितारे भी लंबे समय तक चली पार्टनरशिप छोड़ चुके हैं. अब फिल्ममेकर करण जौहर ने रिएक्ट किया है.

करण जौहर ने कहा कि आज के कलाकार तेजी से स्टारडम की मान्यता चाहते हैं. सोशल मीडिया और टेक्नोलॉजी के चलते लोग जल्दी जजमेंट का सामना करते हैं. उन्होंने कहा, 'आज की पीढ़ी बहुत जल्दी मान्यता चाहती है और लगातार जजमेंट में रहती है. यह मेंटल हेल्थ पर असर डालता है. मैं उनके फैसलों को गलत नहीं मानता, मैं समझ सकता हूं कि वे क्या महसूस कर रहे हैं.' करण ने यह भी माना कि इंडस्ट्री का दबाव इतना है कि वे अपने बच्चों को एक्टिंग में आने के लिए अब पूरी तरह प्रोत्साहित नहीं करेंगे. करण जौहर ने कहा कि भले ही कलाकार एजेंसी बदलते रहते हैं, लेकिन धर्मा का टैलेंट मैनेजमेंट अब भी कंपनी का एक मजबूत हिस्सा है. उन्होंने बताया कि कलाकार अक्सर आने-जाने का सिलसिला बनाते रहते हैं, लेकिन यह पूरी इंडस्ट्री का सामान्य चलन है. करण ने कहा, 'कुछ लोग हमारी एजेंसी छोड़ते हैं और फिर वापस आते हैं. यह लगातार चलता रहता है. हर दिन खुद के बारे में कुछ ना कुछ पढ़ना मेंटली थका देता है।

धर्मा के टैलेंट को हमेशा दी जाएगी प्रायोरिटी

करण ने बताया कि किसी भी फिल्म के लिए वह केवल सही कलाकार को चुनेंगे, चाहे वह किसी भी एजेंसी से क्यों न हो, लेकिन प्रोडक्शन हाउस के तौर पर धर्मा के टैलेंट को हमेशा प्रायोरिटी दी जाएगी. उनका कहना है कि परिवार का हिस्सा बने रहना और हर प्रोजेक्ट में साथ होना जरूरी है. बता दें, करण ने पहले भी कहा था कि टैलेंट मैनेजमेंट एक 'थैंकलेस जॉब' है. दो साल में कई कलाकार एजेंसी बदल देते हैं. 'इस इंडस्ट्री में कोई लॉयल नहीं है. कलाकार आते-जाते रहते हैं. आप दो साल किसी टैलेंट में निवेश करते हैं और वह अचानक कहीं और चला जाता है. यह एक चक्र की तरह चलता रहता है.'

अनुष्का शर्मा 8 साल बाद करने वाली हैं कमबैक?

अल्लू अर्जुन अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम AA22xA6 बताया जा रहा है. हालांकि, बाद में इसका नाम बदला जाएगा. एटली इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं.रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म में कई बड़े स्टार्स देखने को मिलेंगे.वहीं, दीपिका पादुकोण फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी. रिपोर्ट के अनुसार अब इस फिल्म में अनुष्का शर्मा की भी एंट्री हो चुकी है. ये एक साइंस फिक्शन फिल्म होने वाली है.डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के अनुसार बॉलीवुड की एक और टॉप एक्ट्रेस की इस फिल्म में एंट्री होने जा रही है.

आखिरी बार जीरो में नजर आई थीं

अभी फिल्मों को लेकर उनसे बात चल रही है और अगर ये खबर सच निकलती है तो ये फिल्म उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी. हालांकि, ऑफिशियल तौर पर इसको लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है.आपको बता दें अनुष्का शर्मा को आखिरी बार शाहरुख खान की फिल्म जीरो में देखा गया था.इस फिल्म में वो और कैटरीना कैफ नजर आई थीं. मालूम हो जबसे अनुष्का निर्माता के तौर पर फिल्मों में काम कर रही हैं, उनके एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर किसी भी तरह की कोई खबर सामने नहीं आई है. 2022 में ऐसी खबरें आई थीं कि वो इंडियन महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म चकदा चक्सप्रेस में नजर आने वाली हैं. हालांकि, पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म के बंद होनी की खबरें चर्चा में बनी हुई है. मालूम हो अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली और बच्चों के संग लंदन में रह रही हैं.अल्लू अर्जन की फिल्म AA22xA6 के बारे में बात करें तो इसमें मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई एक्ट्रेसेस नजर आने वाली हैं. रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म में रश्मिका मंदाना नेगेटिव भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी।

राम चरण की 'पेड्डी' में मृणाल ठाकुर की एंट्री

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण की अगली फिल्म का नाम पेड्डी है। लंबे समय से उनकी ये आगामी फिल्म चर्चा में बनी हुई है। अब पेड्डी को लेकर एक अहम खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि स्पोर्ट्स ड्रामा पेड्डी में एक और एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है।जो राम चरण और जाह्नवी कपूर संग पर्दे पर धमाल मचाती हुई नजर आएगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि बी टाउन की वह हसीना कौन सी है, जिसके हाथ में साउथ सिनेमा की ये अपकमिंग मूवी लगी है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर डायरेक्टर बुची बाबू सना की पेड्डी में राम चरण और जाह्नवी कपूर जैसे कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। इस बीच फिल्म में कैमियो रोल को लेकर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का नाम चर्चा में आ गया है। पिंकविला की रिपोर्ट्स के अनुसार मृणाल पेड्डी में गेस्ट अपीरियेंस करती हुई नजर आएंगी।

शक्ति की आस्था का केन्द्र है झरण मैया का दरबार

प्रियम्वदा पाध्ये

छत्तीसगढ़ सदा धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है यहाँ के हर जिले में प्राचीन मंदिर एवं पुरातात्विक धरोहर देखने को मिलती है। ओड़ान के हर कोने में स्थित कलचुरी युगीन स्थापत्य और संस्कृति रची बसी है इन्ही में से एक है बालोद जिले से 25 किलोमीटर आगे गाँव अम्बागढ चौकी के पास स्थित झरण माता का मंदिर।

यह साधना नवरात्रि धर्म पर माता के दर्शन करने दूर दूर से श्रद्धालु आते हैं। मंदिर की प्रविष्ठता के बारे में स्थानीय लोगों का कहना है कि हर नवरात्र पहले ओड़ान के आदिवासी पूजा पाठ किया करते थे। धीरे धीरे नवरात्रि की महिमा इस पूरी होने पर दूर दूर भक्त आने लगे। इस स्थल पर एक प्राचीन कुंड है जिसकी गहराई लगभग 20 फीट से अधिक है। पत्थरों से पहाड़ी धार बहती हुई कुंड में गिरती है। झरने का यह शिखर बालोद के सोंडवाड़ से अंबागढ़ होते हुए वनांचल क्षेत्र में आता है। इस प्राकृतिक झरने का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है, इस अंचल बहने झरने के कारण मंदिर का नाम झरण मैया पड़ा, क्योंकि यह क्षेत्र पहाड़ी कलकल मुनि के कारण इसका नाम वनांचल पड़ा। पुराने कुंड के पास प्राचीन शिवलिंग नंदी, घोड़ा, हाथी एवं पीनक के पत्थर स्वरूप अंकित हैं। इन प्राचीन आकृतियों को आदिवासी लोग पत्थरों पर रखकर पूजा करते थे। मंदिर परिसर (झरण माता मैया की महिमा अपरंपार) सर्वोत्कृष्ट रूप से ही धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है यहाँ के हर जिले में प्राचीन मंदिर एवं पुरातात्विक धरोहर देखने को मिलती है छत्तीसगढ़ के हर कोने में स्थित कालीन श्रृंखला और संस्कृति रची बसी है इन्ही में से एक है बालोद जिले से 25 किलोमीटर आगे गाँव अम्बागढ चौकी के पास माता का दरबार जहाँ श्रद्धालु दूर दूर से श्रद्धालु आते हैं। मंदिर के इतिहास के बारे में स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थान पहले ओड़ान के आदिवासी लोग पूजा पाठ किया करते थे इस स्थान पर एक प्राचीन कुंड जिसकी गहराई लगभग 20 फीट से अधिक है जो पहाड़ी से पत्थरों धार बहती हुए कुंड में गिरता है। झरने का यह पहाड़ी शिखर के सोंडवाड़ से डौंडीलोहारा होते हुए वनांचल क्षेत्र में बहता है, इस प्राकृतिक झरने का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है इस अंचल बहने झरने के कारण मंदिर का नाम झरण मैया पड़ा क्योंकि यह क्षेत्र पहाड़ी कलकल मुनि के कारण इसका नाम वनांचल पड़ा। पुराने कुंड के पास प्राचीन शिवलिंग नंदी, घोड़ा, हाथी एवं पीनक के पत्थर स्वरूप अंकित हैं। इन प्राचीन आकृतियों को आदिवासी लोग पत्थरों पर रखकर पूजा करते थे। मंदिर परिसर में प्राचीन शिवलिंग, नंदी यहाँ के राजाओं के कुल देवता डांगरी धोरे एवं राव बाबा की पत्थर की प्रतिमा है। इसके अलावा मंदिर में दक्षिण मुखी हनुमान, राधाकृष्ण एवं भैरव बाबा की प्रतिमा स्थापित है। मंदिर बनाने के बाद से माता के दरबार में चैत्र एवं कंवार नवरात्रि में भक्तों द्वारा मनोकामना ज्योत कलश प्रज्ज्वलित की जाती है।

लोक चित्र मिथ कथा को भी रेखांकित करते हैं

तारा किस्पोट्टा

अरे! 'इतनी' शब्द चित्र की ही हिंदी में मिथक कहा जाता है। हिंदी में उसका परिहार कर उसने लोग में से प्रत्यय मिथक शब्द बना लिया। कुछ दिनों में मिथ, मिथक शब्द प्रचलन में आकर उसी व्यापक अर्थ में प्रयुक्त होने लगा। मिथ, प्रतीक, पुराण कथा और अभिप्राय मिल कर मिथक की स्वरूप प्रदान करते हैं। लोक चित्र परंपरा के द्वारा बाहरी चित्र किसी न किसी मिथ कथा से जुड़े होते हैं। लोक चित्र रेखांकन, अलंकरण की जमीन, कागज, कपड़े, लकड़ी, पत्तों आदि पर भी पाए जाते हैं। इसमें कला परंपराएं, विचार और घटनाओं के सम्बन्ध सूत्र अत्यधिक उलझे हुए होते हैं। मनोवैज्ञानिक, नृत्य सत्य और प्रतीकों के माध्यम से हमसे जुड़ते हुए सूत्र को समझने का प्रयत्न किया जाता है। छत्तीसगढ़ के गांवों में आज भी विभिन्न धार्मिक अवसरों के साथ विचार के आधार पर भी प्रतीकात्मक मिथक चित्र दीवारों या जमीन पर मिथक चित्र बने दिखाई देते हैं।

धार्मिक और शैक्षणिक रूप से प्रसिद्ध गांव हसुआ

कारण ही नवरात्रि के पावन पर्व पर यहाँ बड़ी संख्या में 'मनोकामना ज्योति कलश' प्रज्वलित किए जाते हैं। ग्रामीणों की आपसी एकजुटता और मिलजुलकर कार्य करने की प्रवृत्ति ही इस क्षेत्र की प्रगति का मुख्य आधार है।

लोकेश वैष्णव

महासमुंद और बलौदाबाजार जिले के सीमांत क्षेत्र में बसना विकासखंड के अंतर्गत हसुआ गांव स्थित है। गांव की पूर्व दिशा में स्थित 'माता महामाया' का मंदिर यहाँ का गौरव है। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार, संवत काल में जब शहीद वीर नारायण सिंह की फौज संबलपुर की ओर बढ़ रही थी, तब सैन्य टुकड़ियों का आवागमन इसी मार्ग (सोरखालपुर) से हुआ था। स्थानीय किंवदंती है कि उस दौरान सैन्य सफलता और लोक-कल्याण की कामना के साथ यहाँ विशेष पूजा-अर्चना की गई थी।

वर्तमान सरपंच के प्रयासों से आज महामाया मंदिर धाम में एक भव्य 'मूर्ति चौक' का निर्माण किया गया है। इस मंदिर का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और इसके विषय में अनेक लोक-कथाएं प्रचलित हैं, जिन्हें ग्रामीण श्रद्धापूर्वक 'जनश्रुतियां' कहते हैं। यहाँ वर्ष भर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं।

हसुआ गांव की विशेषता यह है कि यहाँ के लोग शिक्षा के साथ-साथ खेल और समाज सेवा में भी गहरी रुचि रखते हैं। माता महामाया के प्रति अगाध श्रद्धा के

शत्रुओं से करती है मलयारिन माता रक्षा

यशपाल बंजारा

एक बार रात्रि में माई दंतेश्वरी भैसादोंद पहाड़ी के शिखर पर राज्य की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रही थीं, तभी चौबीस कोस दूर उन्हें सैनिकों का जमावड़ा दिखा जो राज्य पर आक्रमण करने की योजना बना रहे थे। माता बड़े डोंगर राज्य की सुरक्षा का उपाय सोचते हुए मालिन (सब्जी बेचने वाली) का रूप धारण कर सब्जी बेचने लगीं। शत्रु पक्ष के शिविर में सस्ते दामों में सब्जी बेच डाली। जितने लोग सब्जी खाए वे महामारी का शिकार होकर अपनी जान गवां बैठे। बचे लोग जान बचाने भाग खड़े हुए। बाद में स्थानीय निवासियों को सच्चाई बता कर अपने को मालियाारिन नाम से पूजने की सलाह देकर अदृश्य हो गईं। यहां के लोग माता को कुल देवी के रूप में पूजते हैं तथा प्रत्येक चार वर्ष में जातरा का आयोजन करते हैं। जातरा में मुंडन संस्कार जैसे धार्मिक कार्य भी किए जाते हैं, इस मुंडन संस्कार की विशेषता होती है कि लाए गए बच्चों में सर्वप्रथम किसी महिला की प्रथम पुत्री का मुंडन किया जाता है। अर्थात बेटी को प्राथमिकता देने की परंपरा यहां पहले से है। यहां भक्तों द्वारा क्वार तथा चैत्र नवरात्रि में भक्तों द्वारा मनोकामना ज्योति जलाई जाती है।

अंचल के लोक पर्व में मातृ पूजन

राजेंद्र कुमार

आदि शक्ति प्रकृति परमेश्वरी तथा भुवनेश्वरी देवी का नित्य अनेक रूपों में पूजन होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, हिमाचल की पुत्री पर्वतराज कन्या उमा (माता पार्वती) ने जब शिव जी को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की और अंततः भगवान से अभीष्ट वरदान प्राप्त किया, तब दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) के अनेक स्थानों पर भी उनकी आराधना और प्राण-प्रतिष्ठा की मान्यता प्रचलित हुई। यहाँ उनके द्वारा 'सात मातृ पूजन' करने का विधान है। लोक मान्यताओं के अनुसार, 'अंधेरी गुफा' में रहने वाली बूढ़ी माई ने कन्या उमा को कठोर शिव तप प्रारंभ करने से पूर्व 'मातृ पीठ' की स्थापना और पूजन विधि समझाई थी। तब गिरि-कन्या उमा ने माता के चरणों को चौखट पर स्थान दिया और पाँच मातृ शक्तियों की प्रतीक 'मातृ पीढ़ियाँ' स्थापित कर पूजन करते हुए विनम्र निवेदन किया:"कुंवार पाखी आसाढ़ी गहूं, गंवया वर वारती गुहार। खुशी-खुशी में तुही मनाओ, जेकर जन्म शिव जी की पाती।" गिरि-कन्या उमा की इसी भक्ति और 'बांसा-बैन' के नाम पर, इस मातृ पूजन परंपरा को पौराणिक कालखंड से 'शासन पूजन' के रूप में लोक मान्यता प्राप्त है।

लागा खाकी में दाग...मिटाएंगे कब ?

एक दर्जन आईपीएस और सीपीएस पर गंभीर आरोप

- किसी को पैसों की तो किसी पर है हवस का भूत सवार
- सभी पुलिस अफसर-कर्मियों की विभागीय जांच दफ़्न
- कार्रवाई के बदले सिर्फ साइड लाइन किए गए दागदार

मुख्य संवाददाता/शेख आबिद
मोबाईल नंबर 8109802829

कानून के रक्षक ही अगर भक्षक लगने लगे तो फिर उस राज्य का भगवन ही मालिक है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ ही एकमात्र ऐसा सूबा है जहां के आईपीएस अधिकारीयों से लेकर आईएएस तक पर किस्म-किस्म के आरोप रोपित हैं। ज्यादातर का मामला कोर्ट में लंबित है और सभी की विभागीय जांच भी कछुआ रफ़्तार से चल रही है। चाल, चरित्र और चेहरे के साथ जांच की बेमियादी तारीखों से जीरो टॉलरेंस का बाजा बजने वाले सिस्टम का ही बाजा बजाते दिख रहे हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी अनुशासन के नाम से जानी जाती है मगर छत्तीसगढ़ में उल्टा हो रहा है। विधानसभा में मंत्रियों को बार-बार उनके विभागों और अधिकारीयों के करप्शन में लिप्त रहने पर आगाह किए जाने के बाद सदन में जाकर हथियार डालने का सिलसिला थमा नहीं है। रमन सिंह के दौर में 15 बरस मंत्री रहे मंत्री अगर जवाब देने के लिए पन्ना पलटते रह जाएं तो फिर संगठन भी सोचने पर मजबूर होगा।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर प्रदेश में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में आए करीब 50 वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जांच प्रस्ताव लंबित पड़े हैं। इनमें आईएएस, आईपीएस और आईएफएस स्तर के अफसर शामिल हैं। (EOW) और (ACB) ने कई मामलों में राज्य सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी है, लेकिन नौ अधिकारियों के खिलाफ अब तक अनुमति नहीं मिल पाई है। इससे जांच एजेंसियों की कार्रवाई ठप पड़ी है। नौ अफसरों पर कार्रवाई की अनुमति का इंतजार है।

सीबीआई और ईडी के घेरे में ये...

छत्तीसगढ़ के चर्चित महादेव सट्टा ऐप घोटाले में आईपीएस अधिकारी आनंद छाबड़ा और आरिफ शेख सीबीआई (CBI) की जांच के दायरे में हैं। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों पर सट्टा प्रमोटरों को संरक्षण देने और अवैध वसूली में भूमिका का आरोप है। इस मामले में उनके आवासों पर छापेमारी और अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जांच का कारण: यह जांच महादेव ऑनलाइन बुक (Mahadev Online Book) नामक सट्टा ऐप के जरिए हवाला और अवैध लेनदेन से जुड़ी है, जिसमें पुलिस अधिकारियों की कथित संलिप्तता पाई गई है।

तीन सरकारी नौकरियों छोड़ बने हैं आईपीएस

रतनलाल डांगी मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। वह 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उनका जन्म नागौर जिले के मालास गांव में हुआ था। वह तीन सरकारी नौकरियों को ठुकरा कर चौथी बार में आईपीएस बने हैं। वह शिक्षक, टैक्स इंस्पेक्टर और नायब तहसीलदार रहे। इसके बाद 2002 में उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा पास की और आईपीएस बने।

क्या लगा है आरोप

आईपीएस रतनलाल डांगी पर एक सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। आरोप लगाने वाली महिला का कहना है कि डांगी ने 2017 से 2024 तक उसका शोषण किया और उसके पति की पोस्टिंग के लिए उस पर दबाव डाला। डांगी कई जिलों के एसपी रह चुके हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रार्थिया ने कई खुलासा करते हुए आईपीएस के कथित अंतरंग वीडियो क्लिप शेयर किया है। मामले में भारी दबाव डालने का भी आरोप लगाया है।

IG आनंद छाबड़ा कर रहे थे जांच

IPS रतनलाल डांगी की शिकायत की जांच पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में IG आनंद छाबड़ा को दिया गया था। बताया जा रहा है कि जांच अधिकारी पहले महिला से पूछताछ किये। उससे बयान और डिजिटल साक्ष्य जुटाने के बाद आईपीएस डांगी की भी सुन चुके हैं। महिला के बयान लेने के बाद IPS रतनलाल डांगी का बयान दर्ज किया गया है। जांच दल में महिला अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। जांच रिपोर्ट कब जारी होगी, जांच दल और पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

छापेमारी और कार्रवाई का दंश भी झेल चुके हैं अफसर

सीबीआई ने आनंद छाबड़ा और आरिफ शेख सहित कई आईपीएस अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। 53 दिनों की गहन जांच के बाद, इन अधिकारियों की कार्यप्रणाली के आधार पर उनके पद बदले गए थे। छाबड़ा और शेख के अलावा, आईपीएस प्रशांत अग्रवाल, अभिषेक पल्लव और ओपी पाल भी इस मामले में जांच के दायरे में हैं।

प्रशांत अग्रवाल

अभिषेक पल्लव

ओपी पाल

आईएएस इफ्फत आरा: पाठ्यपुस्तक निगम में कागज खरीदी और परिवहन निविदा में अनियमितता (लंबित: 13 अप्रैल 2024 से)

आईएएस संजय अलंग: समाज कल्याण विभाग में निराश्रित राशि वितरण में गड़बड़ी (लंबित: 29 जनवरी 2025 से)

आईएएस सुधाकर खलखो: माटीकला बोर्ड में शासकीय धन के दुरुपयोग के आरोप

इसी तरह आईएफएस अधिकारियों—अनूप भल्ला, रमेश चंद्र दुग्गा, केके खेलवार, लक्ष्मण सिंह, चूड़ामणि और एसपी मशीह—के खिलाफ भी भ्रष्टाचार व गबन से जुड़े मामलों में अनुमति का इंतजार है।

किरण कौशल

भीम सिंह

कोयला और शराब घोटाले की आंच

प्रदेश में चर्चित कोयला घोटाले में जनवरी 2026 में आईएएस समीर बिश्नोई के खिलाफ जांच की स्वीकृति के बाद दायरा और बढ़ा है। किरण कौशल, भीम सिंह और जय प्रकाश मौर्य जैसे नाम भी जांच के घेरे में बताए जा रहे हैं। वहीं, शराब घोटाले में पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड, अनिल टुटेजा और निरंजन दास पहले से ही जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। इन मामलों ने प्रशासनिक तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं।

जय प्रकाश मौर्य

सिर्फ बात करते हैं गृहमंत्री विजय शर्मा : कांग्रेस

कांग्रेस का आरोप है कि उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के विभागीय अधिकारी सबसे ज्यादा मामलों में फंसे हुए हैं। उनकी सरकार में शायद चल नहीं रही है इसलिए तो वो जितना बोलते हैं उतना कुछ कर नहीं पाते। नौकरशाहों के चाल, चरित्र और चेहरे पर सवालिया निशान अब भी लगा हुआ है लेकिन जांच एक में भी शासन द्वारा सार्वजनिक नहीं की गई है। सट्टेबाजी की रकम लेने का आरोप, महिला उत्पीड़न, वसूली जैसे गंभीर आरोपों के बाद भी अफसर सीना तानकर नौकरी कर रहे हैं।

ज्यादातर मामलों में अफसरों के खिलाफ विभागीय जांच अंतिम चरणों में है और कुछ मामलों में तो रिपोर्ट भी पूरी कर ली गई है। मामला कोर्ट में लंबित है इसलिए व्यवहारिक कारणों से किसी भी मामलों में फैसला लेना या कहना जल्दबाजी होगी।

विजय शर्मा, उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री छग.शासन

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27